mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-202 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 जुलाई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

सीजेपी का प्रदर्शनः दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन बंद

बंगाल से 2 हजार सीआरपीएफ जवान एयरलिफ्ट किए गए; कॉकरोच पार्टी बोली- सरकार बात करने आए

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बीच सरकार ने दूसरी बार बातचीत की पेशकश की है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा उनसे बात करना चाहते हैं और उन्हें उनके आवास पर बुलाया था लेकिन पार्टी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

उधर, सुरक्षा के कारणों से दिल्ली के 16 मेट्रों स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन का आज 33वां दिन है। यहां बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी जुटे हैं। इनमें 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस की लाठियों, आंसू गैस के गोलों का शिकार हुए लोग भी पहुंचे हैं।

इधर दिल्ली पुलिस ने संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा पर अलग-अलग थानों में 10 FIR दर्ज की हैं। प्रदर्शनकारियों पर RAF जवानों पर जानलेवा हमला, पथराव, तोड़फोड़ और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप हैं।

गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में वांगचुक की तबीयत स्थिर

अभी तक हेल्थ बुलेटिन जारी नहीं हुआ

गुरुग्राम,एजेंसी। लद्दाख के मुद्दों और छात्रों के समर्थन में पिछले 25 दिनों से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार शाम करीब साढ़े 7 बजे दिल्ली पुलिस की टीमें उन्हें सफदरजंग अस्पताल से यहां लेकर पहुंचीं।मेदांता सूत्रों के मुताबिक, सफदरजंग अस्पताल से वांगचुक की मेडिकल हिस्ट्री मिलने के बाद मेदांता के डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू किया। फिलहाल उन्हें ड्रिप के जरिए लिक्विड डाइट दी जा रही है।

सीजेपी बोली- जेपी नड्डा ने बात करने के लिए अपने आवास पर बुलाया था

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि बुधवार सुबह दिल्ली पुलिस ने उन्हें बताया कि जेपी नड्डा उनसे बात करना चाहते हैं और उन्हें उनके आवास पर बुलाया गया था।उन्होंने कहा कि CJP ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि वे किसी के घर या दफ्तर नहीं जाएंगे।अगर सरकार बातचीत करना चाहती है तो जंतर-मंतर आए या उसके आसपास किसी तटस्थ स्थान पर बैठक करे।उन्होंने कहा कि सरकार को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उनकी मांगों पर गंभीरता से बातचीत करना चाहती है।साथ ही उन्होंने कहा कि सिर्फ औपचारिक बातचीत के लिए बुलाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि हजारों लोग अब भी आंदोलन में शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह मंगलवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मिले।वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें मंगलवार को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता में भर्ती कराया गया है।

कॉकरोचों पर लाठीचार्ज- सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

चीफ जस्टिस बोले:वीडियो देखने का वक्त नहीं, हमारा समय बर्बाद न करें

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने दोबारा छात्रों के साथ मारपीट और वीडियो का हवाला दिया तो CJI ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।'

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को संसद मार्च निकाला था। इस दौरान हजारों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़े थे, इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसमें 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी और छात्रों को चोटें आई थीं।

दिल्ली हाईकोर्ट का भी तत्काल सुनवाई से इनकार: मंगलवार को ऐसा ही एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट में भी पहुंचा था। तब दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इसी तरह की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। कहा था कि कोर्ट को इसमें न घसीटें।

कॉकरोच पार्टी समर्थकों की पिटाई पर संसद में हंगामा:अखिलेश बोले- बेटियों के कपड़े फाड़े, ये अधिकार किसने दिया

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में पूछा कि पुलिस को बेटियों के कपड़े फाड़ने का अधिकार किसने दिया?लोकसभा में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष की मांग बिल्कुल स्पष्ट है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार NEET पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है।राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार विरोध कर रहा है।

: ब्रीफ बॉक्स :

हादसे का शिकार होते बचा एयर इंडिया का विमान

पैसेंजर्स ने बताया- हवा में डगमगाने लगा था प्लेन, दिल्ली की जगह हरियाणा पहुंच गया था

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा के भुवनेश्वर से दिल्ली आ रहा एयर इंडिया का एक विमान मंगलवार को हादसे का शिकार होते बच गया। पैंसेंजर्स ने बताया कि एयर इंडिया की भुवनेश्वर-दिल्ली फ्लाइट नं. IX1058 ने दोपहर 3.30 बजे उड़ान भरी थी। लेकिन करीब 30 मिनट बाद ही प्लेन हवा में डगमगाने लगा।इस दौरान फ्लाइट में बैठे 150 से ज्यादा पैसेंजर डर गए। पैसेंजर्स ने यह भी आरोप लगाया कि पायलट ने मुश्किल से प्लेन को संभाला। उसने प्लेन की स्पीड बढ़ा दी। फ्लाइट दिल्ली की बजाय हरियाणा के चरखी दादरी की तरफ चली गई थी। बाद में उसे घुमाकर वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया। फ्लाइट आधे घंटे पहले ही दिल्ली पहुंच गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- राममंदिर चढ़ावा चोरी नैतिक पतन की पराकाष्ठा

सरकार कानून में बदलाव करे, ताकि दोषियों को मौत की सजा मिले

प्रयागराज,एजेंसी। राममंदिर चढ़ावा चोरी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज ने कहा कि यह घटना भारतीय समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को कानून में बदलाव करना चाहिए, ताकि करप्शन के दोषियों को मौत की सजा दी जा सके।हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन ने यह टिप्पणी तब की, जब वे एक केस में बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई कर रहे थे। उनके साथ बेंच में जस्टिस जस्टिस सिद्धार्थ नंदन भी मौजूद थे।

म.प्र-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट

यूपी के गांवों में मगरमच्छ घुसे, असम में 5 लाख+ लोग बाढ़ से प्रभावित; केदारनाथ-वैष्णोदेवी यात्रा रुकी

नई दिल्ली/भोपाल/ जयपुर, एजेंसी। उत्तर भारत में बारिश का दौर जारी है। 5 राज्यों में सामान्य से भारी बारिश का अलर्ट है। राजस्थान के 4 जिलों में ऑरेंज, बाकी सभी में यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में 24 से 48 घंटे में भारी से अतिभारी बारिश का अलर्ट है।उत्तर प्रदेश में 10 दिन से हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। शारदा नदी खतरे के निशान के

ऊपर बह रही है। किनारों पर बसे गांवों में पानी घुस गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों और खेतों में मगरमच्छ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं।असम के 16 जिलों के में 5 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा भी 4 दिन से रुकी हुई है।उत्तराखंड की केदार घाटी में देर रात हुई भारी बारिश के बाद गौरीकुंड से करीब एक किलोमीटर आगे छौड़ी के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ पैदल मार्ग बंद हो गया। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर यात्रा पर अस्थायी रोक लगा दी है।प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया है। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की है कि मार्ग दोबारा खुलने तक सुरक्षित स्थानों पर ही रहें और केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक निर्देशों का पालन करें।

कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, हेड कॉन्स्टेबल की मौत

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे; द रेजिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली

श्रीनगर,एजेंसी। कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की।

सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है। यहां आम दिनों में भी काफी भीड़ रहती है।

सभी रास्तों पर नाकेबंदी, आतंकियों की तलाश तेज

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे।

अमेरिका ने ईरान के 5 शहरों पर बम बरसाए

लगातार 11वीं रात हमला; जंग में यूएस 3.6 लाख करोड़ खर्च कर चुका

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान के पांच शहरों में एक साथ एयर और मिसाइल स्ट्राइक की। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक चाबहार, कोनारक, तबरीज, बेहबहान और ओमीदियेह को निशाना बनाया गया। सीजफायर टूटने के बाद यह लगातार 11वीं रात है, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान के संदिग्ध परमाणु ठिकाने पिकएक्स माउंटेन पर 'बहुत जल्द और बहुत भारी' हमला कर सकता है।

सिक्किम में टनल पर लैंडस्लाइड, 20 मजदूरों के शव मिले

5 अब भी फंसे; टनल में मीथेन गैस भरी, बचावकर्मी बेहोश हुए

गंगटोक,एजेंसी। सिक्किम में एनएचपीसी के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की टनल में फंसे 25 में से 20 मजदूरों के शव मंगलवार देर रात बरामद कर लिए गए। रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटीं टीमें देर रात तक बाकी पांच मजदूरों तक नहीं पहुंच पाई।

ये मजदूर टनल में अलग-अलग पॉइंट पर फंसे थे। टीमें इन तक पहुंचने के लिए 24 घंटे से मशक्कत कर रही थीं, लेकिन टनल में मीथेन गैस भरी होने के चलते कई बचावकर्मी बेहोश हो गए।

यह आदित-3 टनल है, जो नामची जिले के समरडुंग-झोलुंगय में बन रहे तीस्ता स्टेज-6 प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसे पटेल इंजीनियरिंग कंपनी बना रही थी।

राज्यसभा में बोली सरकार

पश्चिम एशिया संकट का असर: 'खाद सब्सिडी का 40% हिस्सा 3.5 महीने में ही खर्च हुआ'

नई दिल्ली,एजेंसी। चालू वित्त वर्ष (2026-27) के शुरुआती साढ़े तीन महीनों में ही सरकार ने खाद सब्सिडी का लगभग 40% हिस्सा, यानी 70,709 करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक बाजार में खाद की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे इस साल सरकार का सब्सिडी का कुल बजट तय सीमा से ज्यादा होने की पूरी संभावना है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

सरकार का जवाब- पर्याप्त फंड मौजूद

मामले में मंत्रालय ने बताया कि किसी एक देश पर निर्भरता कम करने के लिए विदेशों में भारतीय मिशनों के माध्यम से नए सप्लायर्स की पहचान की जा रही है, ताकि देश में खाद की किल्लत न हो। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में खाद की मांग को पूरा करने के लिए सब्सिडी के लिए पर्याप्त फंड मौजूद है।

ससिडी के बजट से जुड़े मुय आंकड़े

मंत्रालय की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया है कि सरकार ने इस साल के लिए करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी तय की थी। वहीं बात अगर पिछले सरकार के खर्च की की जाए तो मंत्रालय ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में सब्सिडी का कुल खर्च 2.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था।इतना ही नहीं अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरिया और अन्य खादों के दाम ऊंचे बने हुए हैं, इसलिए इस साल भी सब्सिडी का खर्च बजट अनुमान से अधिक रहेगा।

किसानों को कितने में मिल रही है खाद?

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बहुत ज्यादा होने के बावजूद सरकार किसानों को सस्ते दामों पर ही खाद उपलब्ध करा रही है। यूरिया की 45 किलो की बोरी किसानों को 266.50 रुपये में ही मिल रही है, जबकि इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 4000 रुपये प्रति बोरी से भी ज्यादा है। यह दाम मार्च 2018 से बिना किसी बदलाव के स्थिर हैं।वहीं वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद, डीएपी की 50 किलो की बोरी किसानों को पहले की तरह 1350 रुपये में ही दी जा रही है। कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरिया की कीमत पिछले महीने 572 डॉलर प्रति टन रही, जो पिछले साल जून 2025 की तुलना में 45% अधिक है। हालांकि, देश में यूरिया का घरेलू उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है ताकि आयात पर निर्भरता कम की जा सके।

हिमाचल में आफत की बारिश: भूस्खलन से 145 सड़कें बंद, कई हाइवे ठप, उफान पर पार्वती और ब्यास

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में सक्रिय मानसून के बीच मंगलवार शाम तक शिमला, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू व चंबा सहित अन्य स्थानों पर वर्षा हुई। मंडी जिले में जालंधर-मंडी-अटारी वाया धर्मपुर-कोटली राष्ट्रीय राजमार्ग तीन जगह भूस्खलन से बाधित हो गया। मनाली-कीरतपुर फोरलेन पर कुछ जगह पत्थर गिर रहे हैं, जबकि पठानकोट-मंडी एनएच पर बिजनी से नारला के बीच भी चट्टानें व मलबा गिरने का सिलसिला जारी रहा। ब्यास नदी के उफान पर होने के चलते पंडोह बांध से सोमवार रात और मंगलवार सुबह 9000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। जोगेंद्रनगर उपमंडल की पंचायत कुंडुनी के लोगों ने तहसीलदार रजत सेठी से मुलाकात कर पहाड़ी पर बनी कृत्रिम झील का समाधान निकालने की मांग की। कुल्लू में सुबह से दोपहर तक हुई मूसलधार वर्षा व जगह-जगह भूस्खलन से ब्यास और पार्वती नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है। लाहुल स्पीति में बाढ़ से तांदी-संसारी मार्ग दूसरे दिन भी जाहलमा व कडु नाले में बंद रहा। बीआरओ ने मंगलवार को लोहे की प्लेट बिछाकर लोगों को नाला आर-पार करवाया। इस दौरान उदयपुर से कुल्लू रेफर किए निमोनिया पीड़ित ढाई साल के मासूम को 108 एंबुलेंस के ईएमटी अनिल सुमती और पायलट शिव प्रकाश ने नाला पार करवाकर सुरक्षित आगे पहुंचाने का प्रयास किया। किन्नौर जिले के शलखर के समीप बाढ़ से बंद शिमला-किन्नौर राष्ट्रीय राजमार्ग करीब 20 घंटे बाद मंगलवार को यातायात के लिए बहाल कर दिया। चंबा जिले में चुवाड़ी से नूरपुर के लिए जाने वाला मार्ग टिक्कर घार में पहाड़ी दरकने से बंद हो गया।

12 घंटे तक बाधित रहे मार्ग: यहां मार्ग का नामोनिशान मिट गया है। मार्ग को बहाल होने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। अब चुवाड़ी से नूरपुर जाने के लिए चुवाड़ी वाया ककीरा-दुनेरा मार्ग ही विकल्प रह गया है। चंबा-भरमौर एनएच पर दुर्गेठी व बत्ती की हट्टी के समीप भारी भूस्खलन हुआ। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बाधित हुआ मार्ग शाम करीब साढ़े चार बजे बहाल हो पाया। चंबा-तीसा मार्ग पंगोला नाला व कंदला के समीप बंद रहा। सुबह करीब आठ बजे तीसा से चंबा आ रही निजी बस कंदला के समीप मलबे में फंस गई। मशीनरी की मदद से बस को निकाला।

145 सड़क बंद, 43 पेयजल योजनाएं प्रभावित

मार्ग को मंगलवार दोपहर तक बहाल कर दिया था। प्रदेश में 145 बंद सड़कों को खोलने के प्रयास जारी हैं। बाधित 508 डीटीआर ठीक करने का कार्य जारी है। 43 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

मनाली-कीरतपुर फोरलेन व पठानकोट मंडी एनएच पर गिर रहे पत्थर, चट्टानें और मलबा

तांदी-संसारी मार्ग दूसरे दिन भी बंद बीआरओ ने लोहे की प्लेट बिछाकर पार करवाए लोग

उदयपुर से कुल्लू रेफर ढाई साल के मासूम को एंबुलेंस कर्मचारियों ने पार करवाया नाला

किन्नौर के शलखर में शिमला-किन्नौर राष्ट्रीय राजमार्ग 20 घंटे बाद किया गया बहाल

चुवाड़ी से नूरपुर जाने वाले मार्ग पर टिक्कर घार में पहाड़ी दरकी, मार्ग का नामोनिशान मिटा

चंबा-भरमौर एनएच पर दुर्गेठी व बत्ती की हट्टी के समीप भूस्खलन शाम बहाल सड़क।

आनंदमठ आश्रम के प्रमुख पर दुष्कर्म और यौन शोषण का गंभीर आरोप, पुलिस ने दर्ज किया केस

अमरावती,एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती में आश्रम संचालित करने वाले एक आध्यात्मिक गुरु पर आरोप है कि उसने एक महिला से कई बार दुष्कर्म किया। 2016 में पीड़िता जब नाबालिग थी, तबसे उसका यौन शोषण किया। पुलिस ने रविवार को आनंद मठ के दत्तागिरी गुरु जयरामजी महाराज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (2) (दुष्कर्म) और 351 (2) तथा यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। चांदूर रेलवे पुलिस थाने के निरीक्षक सुरेश मस्के के अनुसार, आरोपित फरार है। उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह पहली बार 2014 में एक कार्यक्रम के दौरान जयरामजी महाराज से मिली थी और 2016 से उनके साथ रहने लगी थी। उस वक्त वह नाबालिग थी। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान आरोपित ने उससे कई बार दुष्कर्म किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच जारी है।

मरीजों, जवानों और किसानों के लिए आईआईटी दिल्ली की पहल, तीन अनोखे नवाचारों को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। मधुमेह के मरीजों के घाव भरने से लेकर बर्फीली चोटियों पर तैनात जवानों को ठंड से बचाने और खेतों में काम करने वाले किसानों की सुरक्षा तक, आइआइटी दिल्ली के वैज्ञानिकों के तीन शोध आधारित नवाचारों ने भारत टेक्स 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। देशभर से आई 700 से अधिक प्रविष्टियों और 31 फाइनलिस्ट के बीच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली के टेक्सटाइल एवं फाइबर इंजीनियरिंग विभाग की इन तीनों तकनीकों को भारत टेक्स 2026 में आयोजित संरचना 2026: प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड डिजाइन हैकाथान में शीर्ष तीन नवाचारों में चुना गया। छात्रों ने प्रो. हारुन वेंकटेशन के मार्गदर्शन में काम किया है। इसके लिए केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने तीनों शोधकर्ताओं को सम्मानित किया।

ये हैं तीन नवाचार: पहला नवाचार बैकसेलएरो पोस्ट डाक्टोरल शोधकर्ता डा. अंकिता शर्मा ने विकसित किया है। यह बैक्टीरियल सेल्यूलोज आधारित एरोजेल है, जो मधुमेह के घावों के इलाज और आपात स्थिति में अत्यधिक रक्तस्राव रोकने में मददगार हो सकता है। दूसरा नवाचार पीएचडी शोधार्थी सुदीप्तो बेहरा और सुकृति बलियान का है। उन्होंने एरोजेल आधारित अल्ट्रा-लाइट स्लीपिंग बैग और मैट्रेस सिस्टम तैयार किया है, जिसे अत्यधिक ठंड वाले इलाकों में तैनात सैनिकों, आपदा राहत दलों और पर्वतारोहियों के लिए विकसित किया गया है। तीसरा नवाचार किसान-शील्ड एमटेक स्नातक संभास्कर सिंह ने तैयार किया है। यह विशेष सुरक्षात्मक वस्त्र किसानों को गर्मी, यूवी किरणों, बारिश, नमी और कीड़ों से बचाने के लिए विकसित किया गया है। राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) के तहत वस्त्र मंत्रालय और टीबीडी कैंपस के सहयोग से आयोजित इस हैकाथान का ग्रैंड फिनाले 14 से 17 जुलाई तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 के दौरान हुआ।

यूपी और बिहार में 26 जुलाई तक झमाझम बारिश

● **अगले 24 घंटे में तेजी से बरसेंगे बादल**

लखनऊ, पटना, एजेंसी। लंबे इंतजार के बाद मानसून ने पूरे देश में जोरदार वापसी कर ली है। अगले एक सप्ताह तक जम्मू-कश्मीर से लेकर असम तक कई राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। सबसे ज्यादा असर उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों पर पड़ सकता है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में तीन-चार दिनों तक तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन का भी खतरा जताया है। हालांकि खेती के लिहाज से इसे अच्छा माना जा रहा है। जून में पूरे देश में 40 प्रतिशत तक कम बारिश हो पाई थी। जुलाई के पहले हफ्ते में दक्षिण एवं उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी बारिश के चलते इस औसत में काफी सुधार आया, लेकिन दूसरे सप्ताह से लगातार सूखे ने खेती बारी का संकट बढ़ा दिया था। अब फिर उम्मीद जगी है। आईएमडी के अनुसार इस दौर की बारिश से संतुलन सुधर सकता है। जिन इलाकों में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है, वहां भी वर्षा का औसत बढ़ सकता है। हालांकि 23 जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है। इसके बावजूद उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत में मानसून सक्रिय रहेगा, जबकि पश्चिमी राजस्थान और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में इसकी गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस समय मानसूनी ट्रफ राजस्थान के गंगानगर से रोहतक, सुल्तानपुर होते हुए बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। साथ ही झारखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और बंगाल की खाड़ी के ऊपर कई साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय हैं। इन सभी मौसमी प्रणालियों के एक साथ सक्रिय होने से देश के अधिकांश भागों में बारिश की गतिविधियां बढ़ी है। यही वजह है कि पिछले 24 घंटों के दौरान देश के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में बारिश दर्ज की गई और अगले एक-दो दिनों में पूरा देश बारिश के प्रभाव में आ सकता है। अगले तीन दिनों में उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में कहीं-कहीं अत्यंत भारी वर्षा हो सकती है। इससे बादल फटने, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। मैदानी इलाकों में भी मानसून ट्रफ के थोड़ा दक्षिण की ओर खिसकने से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार में अच्छी बारिश के आसार बने हुए हैं। बुधवार को भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है, जबकि गुरुवार तक इसका असर उत्तर भारत के कई राज्यों में बना रह सकता है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के तटीय इलाकों और कर्नाटक के समुद्री तट पर भी अच्छी बारिश का अनुमान है। पूर्वोत्तर राज्यों में भी अगले कई दिनों तक तेज बारिश जारी रहने की संभावना है।

जॉर्डन में ईरानी हमले में अमेरिका के तीसरे सैनिक की मौत सेंटकॉम ने क्या कहा, कितना पहुंचा आंकड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पुष्टि की है कि जॉर्डन में एक बेस पर शुक्रवार को हुए हमले में तीसरे सैनिक के मारे जाने की आशंका है। हालांकि उन्हें मृत माना जा रहा है। सैनिक की पहचान न्यूयॉर्क की रहने वाली 28 वर्षीय सार्जेंट एंजेल एस रामपरसाद के रूप में हुई है। इससे युद्ध की शुरुआत से अब तक कुल 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं। सोमवार को पेंटागन ने जॉर्डन हमले में मारे गए दो अन्य सैनिकों की पहचान बताई थी। इनमें हवाई के रहने वाले 25 वर्षीय फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर जेम्स फीहान और टेक्सस की रहने वाली 19 वर्षीय प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस शामिल थे।

ये सैनिक इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिकी मिशन में तैनात थे। ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से इन सैनिकों की मौत हुई। हमले के बाद सेना ने बताया था कि दो सैनिक मारे गए हैं और एक लापता है। अब पेंटागन का कहना है कि रामपरसाद ही वह लापता सैनिक हैं। उनका आधिकारिक दर्जा 'कर्तव्य स्थिति-स्थान अज्ञात' है और उन्हें मृत माना जा रहा है। रामपरसाद और गोंजालेस जर्मनी में तैनात 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड की एक ही यूनिट से थीं।

इराक में एक अन्य सैनिक की जान गई: इधर, इराक के इरबिल एयर बेस पर एक ईरानी ड्रोन के नियंत्रित विस्फोट के समय 30 वर्षीय सार्जेंट माइकल इमैनुएल स्विंटन की मौत हो गई। नॉर्थ कैरोलिना के रहने वाले स्विंटन लगभग 10 साल से सेना में थे। उन्हें मरणोपरांत ब्रॉन्ज स्टार, पर्पल हार्ट और कॉम्बैट एक्सन बैज दिया जाएगा। साथ ही उन्हें स्टाफ सार्जेंट के पद पर प्रमोट किया जाएगा।

स्विंटन 2017 में सेना में भर्ती हुए थे। वह फोर्ट ब्रैग की 108वीं एयर डिफेंस आर्टिलरी ब्रिगेड में तैनात थे। वह अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। उनके परिवार ने इस नुकसान पर गहरा दुख जताया है। ब्रिगेडियर जनरल जॉन एल डॉबर ने स्विंटन के काम और देश सेवा की तारीफ की है।

ट्रंप ने सऊदी के साथ परमाणु समझौते को दी मंजूरी, यूरेनियम संवर्धन की मिल सकती है अनुमति; रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के साथ एक परमाणु समझौते को मंजूरी दे दी है। इस समझौते से सऊदी अरब को अपने नागरिक परमाणु कार्यक्रम के लिए यूरेनियम संवर्धन की क्षमता मिल सकती है। मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया जा रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने बताया कि इस फैसले की आधिकारिक घोषणा बुधवार को हो सकती है। यह समझौता 30 साल तक चलेगा और कार्यक्रम को विकसित करने में अमेरिकी कंपनियां भी शामिल होंगी। अमेरिका और सऊदी अरब के एक संयुक्त अध्ययन के बाद इस समझौते के तहत सऊदी अरब में यूरेनियम संवर्धन सुविधा बनाने की अनुमति मिल सकती है। वाल स्ट्रीट जर्नल ने सबसे पहले इस फैसले की जानकारी दी थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

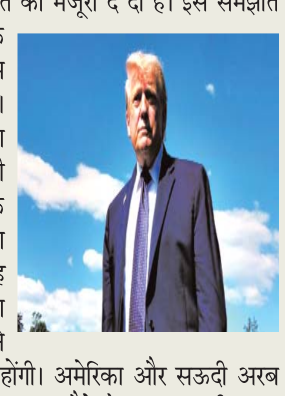

ईरान के नए परमाणु ठिकाने पर हमले की चेतावनी: इस सबके बीच, वाशिंगटन से जारी बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है।

10वीं-12वीं की फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गैंग का पर्दाफाश, 3 आरोपियों को दबोचा; वॉट्सऐप पर होती थी डील

नईदिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र और मार्कशीट तैयार कर बेचने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फर्जी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट, एक लैपटॉप, प्रिंटर तथा दस्तावेज तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 30 जून 2026 को सूचना मिली थी कि शाहदरा निवासी नवनीत त्यागी फर्जी 10वीं और 12वीं के प्रमाण पत्र एवं मार्कशीट तैयार कर लोगों को उपलब्ध कराता है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक कर्मचारी को फर्जी ग्राहक बनाकर आरोपी से वॉट्सऐप के माध्यम से संपर्क कराया और उससे 12वीं की फर्जी मार्कशीट तैयार करने के लिए फोटो, 10वीं की मार्कशीट और आधार कार्ड भेजा।

मिराज सिनेमा के पास दबोचा आरोपी: 17 जुलाई 2026 को इंस्पेक्टर आशीष कुमार के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ की टीम ने जीटी रोड स्थित मिराज सिनेमा, विकास मॉल के पास छापा मारकर नवनीत त्यागी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 10वीं और 12वीं की दो फर्जी मार्कशीट बरामद हुई। इसके बाद थाना शाहदरा में एफआईआर संख्या 161/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया।

बेंगलुरु में ईडी का बड़ा एक्शन, आतंकी संगठन आईएस कट्टरपंथ मामले में कई ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरु, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कर्नाटक में कई जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएस में शामिल होने के लिए युवाओं को कट्टरपंथी बनाने से जुड़े मामले में मनी लांड्रिंग की जांच के तहत की गई। केंद्रीय एजेंसी ने बेंगलुरु और उसके आसपास करीब आठ जगहों पर छापेमारी की। यह जांच एनआईए की उस एफआईआर से जुड़ी है जो आईएस में भर्ती से संबंधित है। इसमें 'इकरा वेलफेयर ट्रस्ट', 'गाइडेंस फार मैनकाइंड' और कुछ व्यक्ति शामिल हैं। एनआईए ने पांच लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोप है कि ये सभी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़े थे। उन्होंने बेंगलुरु के मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर आइएस में शामिल करने की साजिश रची थी। इन आरोपितों ने 'इकरा कैंप' नाम की मुस्लिम 'पर्सनैलिटी डेवलपमेंट' (व्यक्तित्व विकास) वर्कशाप का आयोजन किया था। इसके जरिये युवाओं की पहचान की, उन्हें कट्टरपंथी बनाकर भर्ती किया। इसके साथ ही उन्होंने फंड एकत्र किया।

इसके अलावा, उन्होंने भर्ती किए गए लोगों को सीरिया भेजकर आइएस में शामिल होने और सीरिया सरकार के खिलाफ लड़ने में मदद की।

भारतीय छात्रों को 54 दिन के भीतर क्यों लौटना होगा अमेरिका, ट्रंप के किस नए वीजा नियम के कारण बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नियमों में एक बड़े बदलाव के चलते भारतीय छात्रों समेत अंतरराष्ट्रीय छात्रों को लौटने की सलाह दी गई है। विश्वविद्यालयों ने सलाह दी है कि अगर वे मौजूदा आव्रजन व्यवस्था का लाभ बनाए रखना चाहते हैं तो 15 सितंबर से पहले अमेरिका लौट आएं। यह सलाह उन छात्रों के लिए है जो शैक्षणिक अवकाश के दौरान अपने देश आए हुए हैं और एफ-1 या जे-1 वीजा पर पढ़ाई कर रहे हैं।

यह सलाह अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के नए 'अंतिम नियम' के लागू होने से पहले दी गई है। यह नियम लंबे समय से लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस यानी डी/एस व्यवस्था' की जगह लेगा।

15 सितंबर से लागू होगा नया नियम: नए नियम के तहत अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अमेरिका में अधिकतम चार वर्ष की निश्चित अवधि के लिए ही प्रवेश मिलेगा। मौजूदा व्यवस्था में एफ-1 वीजा धारक छात्र तब तक अमेरिका में रह सकते हैं, जब तक वे अपने शैक्षणिक कार्यक्रम की शर्तों का पालन करते रहते हैं।

कोलंबिया विश्वविद्यालय ने अपने नोटिस में कहा, 'इस अंतिम नियम को लागू करने के लिए 60 दिन का समय दिया गया है। हम सभी छात्रों को सलाह देते हैं कि वे 8 सितंबर, 2026 से शुरू होने वाली कक्षाओं से पहले न्यूयॉर्क लौट आएं। '

क्या-क्या बदलेगा: डीएचएस ने एफ-1 छात्र वीजा, जे-1 एक्सचेंज विजिटर वीजा और विदेशी पत्रकारों के लिए आई वीजा पर अधिकतम चार वर्ष की अवधि तय कर दी है। नए नियम के तहत पढ़ाई पूरी होने के बाद अमेरिका में रहने की छूट 60 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी जाएगी। अगर किसी छात्र को अपनी अवधि बढ़ानी होगी तो उसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से फॉर्म आई-539 के माध्यम से मंजूरी लेनी होगी।

किन छात्रों पर लागू नहीं होगा नया नियम: डीएचएस के अनुसार, जो छात्र 15 सितंबर को पहले से अमेरिका में 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' के तहत मौजूद होंगे, वे अपने फॉर्म आई-20 में दर्ज कार्यक्रम पूरा होने तक या स्वीकृत ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी/एसटीईएम ओपीटी) की अवधि तक अमेरिका में रह सकेंगे। हालांकि, यह छूट भी नए नियम के लागू होने की तारीख से अधिकतम चार वर्ष तक ही मान्य होगी और किसी भी स्थिति में 14 नवंबर, 2030 के बाद लागू नहीं रहेगी।

'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

सीधी के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, रंगोली के माध्यम से दिया नशामुक्त समाज का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशे के किसी भी रूप से दूर रहने अपने परिवार और समाज के लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा एक स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सहयोग करने की शपथ लीमहाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. के. एस. नेताम ने छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई उन्होंने कहा कि युवा वर्ग देश की सबसे बड़ी शक्ति है और युवाओं की सकारात्मक सोच एवं दृढ़ संकल्प से ही स्वस्थ, सशक्त और नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता हैडॉ. नेताम ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही नशे की समस्या को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच और बेहतर आदतों को अपनाने की सलाह दी उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं होते बल्कि यहां से सामाजिक जिम्मेदारी और अच्छे नागरिक बनने की भावना भी विकसित होती है।शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय परिसर में जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अरुणा सिंह के मार्गदर्शन में छात्राओं आकांक्षा पाण्डेय, साक्षी सिंह, मीनाक्षी तिवारी एवं सीता बहेलिया ने 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान की थीम पर आकर्षक रंगोली तैयार की रंगोली के माध्यम से छात्राओं ने स्वस्थ जीवन, जागरूक समाज और नशामुक्त भारत का प्रभावी संदेश प्रस्तुत किया। रंगोली में नशे से होने वाले नुकसान और नशामुक्त जीवन के लाभों को रचनात्मक तरीके से दर्शाया गया महाविद्यालय परिसर में बनाई गई इस रंगोली ने विद्यार्थियों और आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कियामहाविद्यालय परिवार ने छात्राओं की रचनात्मक प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां केवल जागरूकता बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं बल्कि युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रभावी प्रयास भी हैं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त कियाकार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकों ने कहा कि नशे की समस्या वर्तमान समय में समाज के लिए गंभीर चुनौती बन रही है इससे बचाव के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है शिक्षण संस्थानों में इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न संस्थानों और संगठनों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सीधी में आयोजित यह कार्यक्रम भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल स्वयं नशामुक्त रहने का संकल्प लिया, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी भी स्वीकार की।

राशन वितरण में गड़बड़ी से नाराज ग्रामीणों ने रोका जिला पंचायत CEO का रास्ता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की ग्राम पंचायत खैरा में राशन वितरण में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया राशन नहीं मिलने और कोटेदार पर गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए सैकड़ों ग्रामीण जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया इस दौरान ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी की गाड़ी का घेराव कर रास्ता रोक दिया ग्रामीणों का नेतृत्व ग्राम पंचायत खैरा की सरपंच सविता वर्मा ने किया ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उचित मूल्य दुकान संचालक द्वारा राशन वितरण में लापरवाही बरती जा रही है। उनका कहना है कि कोटेदार ई-केवाईसी और राशन वितरण के नाम पर कई बार अंगूठा लगवाता है लेकिन इसके बदले उन्हें निर्धारित मात्रा में राशन नहीं दिया जाता। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दो महीने का राशन मिलने के स्थान पर केवल एक महीने का राशन दिया जा रहा है इस संबंध में पहले भी एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को शिकायत की गई थी लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों को जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्या बतानी पड़ी। प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत सीईओ कार्यालय से बाहर निकले तो ग्रामीणों ने उनकी गाड़ी के सामने खड़े होकर अपनी समस्या रखी महिलाओं और बुजुर्गों के गाड़ी के सामने आने से कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। करीब 10 मिनट तक हंगामे की स्थिति बनी रही।ग्रामीणों से चर्चा के बाद जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने पूरे मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि शिकायत की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।

सीधी में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग तेज, छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर बुधवार को छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा छात्रों ने जिले में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि लंबे समय से यह मांग लंबित है जिसके कारण हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे जिलों और राज्यों का रुख करना पड़ता है। छात्र-छात्राओं ने शहर में रैली निकालकर अपनी मांग के समर्थन में आवाज बुलंद की इसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि सीधी एक आदिवासी बहुल जिला है जहां बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार निवास करते हैं ऐसे परिवारों के लिए बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर भेजना बेहद कठिन होता हैज्ञापन में कहा गया कि जिले में विश्वविद्यालय नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को रीवा, जबलपुर, भोपाल या अन्य शहरों तथा कई बार दूसरे राज्यों में जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है इससे छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है कई विद्यार्थी आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं जबकि कुछ छात्र अपनी रुचि के विपरीत विषयों में प्रवेश लेने के लिए विवश होते हैं क्योंकि स्थानीय स्तर पर उनकी पसंद के पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं हैं।छात्रों ने कहा कि प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की भावना के साथ विकास कार्य कर रही है, लेकिन आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सीधी जैसे बड़े जिले में विश्वविद्यालय का न होना क्षेत्र के युवाओं के लिए चिंता का विषय है। उनका कहना था कि जिले में विश्वविद्यालय स्थापित होने से न केवल स्थानीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा मिलेगी, बल्कि आसपास के जिलों के छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा इससे शिक्षा का स्तर बेहतर होगा और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। छात्र-छात्राओं ने मांग की कि सरकार उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र विश्वविद्यालय स्थापना की घोषणा करे उनका कहना था कि यदि जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना होती है तो गरीब, ग्रामीण और आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे और उन्हें पढ़ाई के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा।

रीवा आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई : 1220 किलो महुआ लाहन और 75 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त, 9 प्रकरण दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में अवैध मदिरा निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है आबकारी टीम ने वृत्त बरौली एवं आसपास के क्षेत्रों में दबिश देकर भारी मात्रा में महुआ लाहन और हाथ भट्टी शराब बरामद की है कार्रवाई के दौरान कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए हैंआबकारी विभाग की टीम ने ग्राम चौखण्डी में दिनेश पाशी के रिहायशी मकान से 180 किलोग्राम महुआ लाहन और 25 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की वहीं इसी गांव में गायत्री पासी के मकान से भी 180 किलोग्राम महुआ लाहन और 25 लीटर हाथ भट्टी शराब बरामद की गई इसके अलावा ग्राम हरदोली में कुसुम कली कोल के मकान से 100 किलोग्राम महुआ लाहन तथा कल्लू देवी कोल के मकान से 160 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। ग्राम कोल्हुआ में सुनीता कोल के मकान से 160 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 5 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद हुई आबकारी टीम ने इसी गांव में संतोष कुमार के मकान से 160 किलोग्राम महुआ लाहन और 5 लीटर हाथ भट्टी शराब तथा जानकी कोल के मकान से 160 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 5 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की ग्राम झिरीरा में दुअसिया कोल के मकान से 120 किलोग्राम महुआ लाहन और 5 लीटर हाथ भट्टी शराब बरामद की गई ग्राम पटेहरा में जसरीन बानो के रिहायशी मकान से 5 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त कर कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग ने सभी मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क)(च) के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं आबकारी विभाग के अनुसार, इस कार्रवाई में कुल 1220 किलोग्राम महुआ लाहन और 75 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 33 हजार 250 रुपए बताई गई है। सहायक आबकारी आयुक्त रीवा ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवैध शराब कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश्वर सिंह ठाकुर, अजय श्रीवास्तव सहित आबकारी आरक्षक वेदप्रकाश तिवारी, आशीष गुप्त, अतुल बागरी, सुमित पयासी, राहुल पाण्डेय, आकांक्षा द्विवेदी, अपर्णा सोधिया और रीतू कोरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाजपा देश से बड़ी नहीं, लेकिन समर्थक पार्टी को देश से ऊपर मान रहे : राजीव सिंह परिहार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र और राज्यों की भाजपा सरकारें तानाशाही रवैया अपना रही हैं उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई स्वतंत्र संस्थाएं भी सरकार के प्रभाव में काम कर रही हैं जिससे आम जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। राजीव सिंह परिहार ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में लोग रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और न्याय जैसे मूलभूत मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी व्यवस्थाएं आम नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में असफल साबित हो रही हैं जिसके कारण लोगों को अपनी आवाज उठाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा हैआप नेता ने कहा कि जब आम नागरिक अपनी समस्याओं और अधिकारों को लेकर आंदोलन करते हैं तो सरकार उनकी वास्तविक परेशानियों को समझने के बजाय उन्हें किसी राजनीतिक दल से जोड़ देती है। इससे जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाताउन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को पूरे देश के नागरिकों के विकास और कल्याण के लिए काम करना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार केवल अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के हितों को प्राथमिकता दे रही है उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है राजीव सिंह परिहार ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति देशहित, जनहित और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है तो उसे राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थकों द्वारा कई बार पार्टी के हित को देशहित से ऊपर रखने का प्रयास किया जाता है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित संकेत नहीं है उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल से बड़ा देश और देश के नागरिकों का हित होता है सरकारों को राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर जनता के कल्याण, विकास और अधिकारों के लिए कार्य करना चाहिए आप प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध और असहमति जनता का अधिकार है।

सीधी में विश्वविद्यालय की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

गांधी चौराहा से कलेक्ट्रेट तक निकाला पैदल मार्च, मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 'सीधी मांगे विश्वविद्यालय' और 'छात्र एकता जिंदाबाद' जैसे नारों के साथ गांधी चौराहा से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट पहुंचकर छात्रों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार मीनाक्षी जायसवाल को ज्ञापन सौंपकर जिले में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग रखी। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि सीधी जिले में उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त संस्थान उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को अन्य जिलों का रुख करना पड़ता है इससे छात्रों और उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है, वहीं कई विद्यार्थियों को शैक्षणिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है छात्रा ज्योति पटेल ने ज्ञापन का वाचन करते हुए कहा कि सीधी जैसे बड़े जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना समय की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधा मिलने से जिले के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और उन्हें पढ़ाई के लिए बाहर जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी छात्र प्रतिनिधि इंद्रलाल ने कहा कि विश्वविद्यालय की मांग को लेकर छात्र लगातार प्रयास कर रहे हैं इस संबंध में वे क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों से भी मुलाकात कर चुके हैं और अपनी समस्या से अवगत करा चुके हैं उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थियों के हित में विश्वविद्यालय की स्थापना जरूरी है।

नशे में मैदान में न उतरें, मैदान का नशा करें : रीवा एसपी की युवाओं से अपील

नशामुक्ति अभियान के तहत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, कबड्डी-बैडमिंटन और फुटबॉल में युवाओं ने दिखाया उत्साह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत रीवा पुलिस युवाओं को खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास कर रही है अभियान के अंतर्गत जिले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए प्रेरक संदेश दिया उन्होंने कहा, 'मैदान में आइए और मैदान का नशा करिए नशे के मैदान में मत उतरिए' उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा को खेल, शिक्षा और सकारात्मक कार्यों में लगाएं तथा नशे जैसी बुरी आदतों से दूरी बनाए रखेंएसपी ने कहा कि रीवा पुलिस का उद्देश्य केवल नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई करना ही नहीं है, बल्कि युवाओं को जागरूक कर उन्हें बेहतर भविष्य की ओर प्रेरित करना भी है खेल गतिविधियां युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं उन्होंने बताया कि 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान 31 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ सभाएं, स्कूल-कॉलेजों में संवाद कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा हैपुलिस विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में कबड्डी, बैडमिंटन और फुटबॉल जैसे खेल शामिल रहे। युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लियाकार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि खेलों से जुड़कर युवा अपने जीवन को स्वस्थ और अनुशासित बना सकते हैं। एसपी गुरुकरण सिंह ने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है। परिवार, शिक्षक और सामाजिक संगठनों को भी युवाओं को सही दिशा देने के लिए आगे आना चाहिए गौरतलब है कि रीवा जिले में नशीली कफ सिरप और अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के मामले सामने आते रहे हैं इसे देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है पुलिस का मानना है कि केवल कानूनी कार्रवाई से नशे की समस्या का पूरी तरह समाधान संभव नहीं है युवाओं को खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर ही समाज में स्थायी बदलाव लाया जा सकता है। 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान इसी उद्देश्य के साथ जिले में लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में सीधी में कांग्रेस का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में सीधी शहर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार रात प्रदर्शन किया जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर धरना देकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की करीब डेढ़ घंटे चले प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य मार्ग पर बैठ गए, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। गांधी चौक से पुराने बस स्टैंड, नए बस स्टैंड, सब्जी मंडी और अस्पताल चौक की ओर जाने वाले मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही वाहन चालकों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों की आवाज दबाने के लिए सरकार द्वारा पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर भी निशाना साधते हुए विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार की नीतियों का विरोध किया।वहीं, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि प्रदर्शन के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया था पुलिस ने पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी।

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत नाटकीय और हास्यास्पद रही। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस से बगावत करने वाले सांसदों को एनसीपीआई के प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष मौजूद थे। विपक्ष के सांसदों ने बहिर्गमन किया, मीडिया को अपने-अपने बयान दिए और करीब 15 मिनट के बाद बैठक में वापस भी चले गए। यह क्या हुआ? बहिष्कार करना था, तो पूरी सर्वदलीय बैठक को खारिज करना चाहिए था। यह बैठक भी महज औपचारिक होती है, क्योंकि सदन में कार्यवाही बिल्कुल उलट होती है। बहरहाल इस सत्र के दौरान कमोबेश लोकसभा में सांसदों की सीट का परिदृश्य पहले से बिल्कुल अलग दिखाई देगा। स्पीकर ओम बिरला ने 48 सांसदों की सीटें बदली हैं, जिनमें 22 सांसद द्रमुक के हैं। चूंकि तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस का संबंधविच्छेद हो चुका है, लिहाजा द्रमुक ने उनकी सीटें बदलने का आग्रह किया था। इन 48 सांसदों की सीटें सत्ता-पक्ष की तरफ हैं। क्या मान लिया जाए कि अब ये 48 सांसद सत्तारूढ़ एनडीए के प्रत्यक्ष या परोक्ष हिस्सा हो गए हैं? संसद के मानसून सत्र का आगाज हो चुका है, लिहाजा यह सच भी सामने आ ही जाएगा। यकीनन सत्र हंगामेदार होगा, क्योंकि मुद्दों को लेकर कई विरोधाभास हैं। बेशक राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी, पेपरलीक, परिसीमन, महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, ई-20 एथेनॉल विवाद, विदेश नीति, वोट चोरी और वांगचुक अनशन

दलबदल अर्थात जनादेश को ठेंगा

संपादकीय

आदि बेहद संवेदनशील और राष्ट्रीय फलक के मुद्दे हैं, लेकिन दलबदल का राजनीतिक चलन सीधा लोकतंत्र, चुनाव प्रणाली और जनादेश के लिए गंभीर चुनौती है। बल्कि जनादेश को ठेंगा दिखाया जा रहा है। क्या संसद के भीतर ऐसे मुद्दे पर चर्चा होगी और कोई निश्चित नीति तय की जाएगी? हमारा अनुभव कहता है कि ऐसा कदापि नहीं होगा। हमने लोकतंत्र के अभी तक के इतिहास में न तो पढ़ा है और न ही संसदीय कवरेज के दौरान देखा है कि जिस पार्टी का अस्तित्व ही गुमनाम हो, अचानक उसके पाले में 20 लोकसभा सांसद आ जाएं! यह 'काला चमत्कार' ही हो सकता है! बिना चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, बिन उम्मीदवारी के और प्रत्यक्ष जनादेश हासिल किए बिना ही 20 सांसदज्! यानी औसतन 200 विधायकज्.! बेशक यह लोकतंत्र पर कलंक है और दलबदल के जरिए राजनीतिक अस्थिरता का डरावना उदाहरण है। साफ मायने हैं कि जनादेश कुछ भी हो, यदि आप सत्ता में हैं, तो किसी भी जनादेश को तोड़-फोड़ कर सदन में अपना आंकड़ा व्यापक कर सकते हैं। स्पीकर ने तृणमूल से टूटे 20 सांसदों के एनसीपीआई में विलय को मान्यता दी है और सत्ता-पक्ष के साथ उनकी नई सीटें तय की हैं और इस नए संसदीय दल के नेता, मुख्य सचेतक भी मनोनीत किए गए हैं। क्या हम इन्हें एनसीपीआई के सांसद मानें? लोकतंत्र तो ऐसी गवाही नहीं देता, बेशक स्पीकर ने मान्यता दे दी है। स्पीकर के सामने इन बागी सांसदों को 'अयोग्य' करार देने की याचिका अब भी विचाराधीन है। स्पीकर भी तो भाजपा के निर्वाचित सांसद हैं, लिहाजा उनकी राजनीतिक निष्ठाओं की परीक्षा होती रहती है।

आप उन्हें बिल्कुल 'तटस्थ' नहीं मान सकते। बहरहाल चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में ये सवालिया सांसद तृणमूल कांग्रेस के 'विजयी सांसद' हैं, जिन्हें पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अधिकृत पत्र देकर प्रत्याशी बनाया था। चुनाव में उन्हें जनादेश मिला, तो जून 2024 से अभी जुलाई, 2026 तक वे तृणमूल सांसद ही थे। कितनी भी बगावत कर लें अथवा दलबदल कर लें, लेकिन जनादेश तृणमूल प्रतिनिधि को ही दिया गया था। बेशक जनता हिसाब कर लेगी! सवाल यह है कि ऐसे लोकतांत्रिक यथार्थ को कैसे बदला जा सकता है? सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ समेत, ने भी दलबदल पर जो फैसला दिया था, उसका उल्लंघन तो 'असंवैधानिक' है।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक: स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

सुनील कुमार महलास्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभावशाली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया। पाठकों को बताता चलूं कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेज़ी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सीधे आम लोगों की आवाज़ बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाई।इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरुआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया। दरअसल, उन्होंने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया ताकि लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो सकें। इन आयोजनों ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।गौरतलब है कि 1908 में राजद्रोह के आरोप में तिलक को बर्मा (अब म्यांमार) के मांडले कारागार भेजा गया, जहाँ उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य की रचना की। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रिटिश लेखक वैलेंटाइन चिरोल ने उन्हें फादर ऑफ इंडियन अनरेस्ट अर्थात भारतीय अशांति का जनक कहा था। वर्ष 1916 में तिलक ने होमरूल लीग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को स्वशासन दिलाना था। यहाँ पाठकों को जानकारी देना चाहूँगा कि होमरूल आंदोलन का अर्थ है-अपने देश का शासन स्वयं चलाने का अधिकार। यह आंदोलन भारत को ब्रिटिश शासन के अधीन रहते हुए भी स्वशासन दिलाने के लिए शुरू किया गया था। तिलक ने महाराष्ट्र और मध्य भारत में तथा एनी बेसेंट ने मद्रास सहित अन्य क्षेत्रों में होमरूल लीग की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वराज की माँग को जन-जन तक पहुँचाना था। होमरूल आंदोलन ने देशभर में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया और भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं अपना शासन चलाने में सक्षम हैं।

संसद का मानसून सत्र 2026 शुरू - विपक्ष का हंगामा

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर 20 जुलाई 2026 से प्रारंभ हुआ 13 अगस्त तक चलने वाले इस संसद क़े मानसून सत्र पर पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है।कुल 19 बैठकें निर्धारित हैं।संसद में 28 विधेयक लंबित हैं।इनमें से 5 नए विधेयक पेश किए जाने हैं और 2 लंबित विधेयकों को पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।यह केवल एक नियमित संसदीय सत्र नहीं,बल्कि भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था निवेश वातावरण और वैश्विक छवि के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा माना जा रहा है। यह सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब भारत दुनियाँ की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है,भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता लागू हो चुका है,अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की निगाह भारत पर है और विकसित भारत -2047 का रोडमैप निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है। मैं एडवोकेट किशन षणमुख दास भावना ने गोंदिया महाराष्ट्र अपने विचार इस आर्टिकल के माध्यम से प्रकट कर रहा हूं क़ि ऐसे समय संसद में होने वाली प्रत्येक बहस, प्रत्येक विधेयक और प्रत्येक राजनीतिक टकराव का प्रभाव केवल नई दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि वैश्विक निवेशकों,अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखाई देगा।सत्र प्रारंभ होने से पहले माननीय पीएम ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए सभी दलों से रचनात्मक सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि संसद का उत्पादक संचालन देशहित,जनकल्याण और विकास के लिए आवश्यक है तथा भारत की हाल की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दूसरी ओर विपक्ष पहले से ही सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाकर आया था, जिससे पहले दिन से ही टकराव की स्थिति बन गई।

साथियों, सरकार ने इस मानसून सत्र के लिए लगभग आठ प्रमुख विधेयकों का विधायी एजेंडा रखा है। इनमें इन्कम-टैक्स (अमेन्डमेंट) बिल,2026,जिसमें विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स को सरकारी प्रतिभूतियों से होने वाली आय पर कर छूट से संबंधित प्रावधान।माइक्रो , स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट (अमेन्डमेंट) बिल 2026 एमएसएमई को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की व्यवस्था मजबूत करना।मध्यस्थता (आरबिंस्ट्रेशन) के निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रावधान।राज्यों को फेसिलिटेशन कौंसिल के गठन में अधिक अधिकार देना। रजिस्ट्रेशन ऑफ़ बर्थस एंड डेथस (अमेन्डमेंट) बिल ,2026जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण के नियमों को अधिक कठोर बनाना।

पंजीकरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना।सुप्रीम कोर्ट (नंबर ऑफ़ जजेस) अमेन्डमेंट बिल, 2026 सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव। प्रेवेंशन ऑफ़ इंसल्ट्स टू नेशनल हॉनर (अमेन्डमेंट) बिल, 2026राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम, 1971 में संशोधन। रिपोर्टों के अनुसार इसमें वंदे मातरम् को वैधानिक संरक्षण देने और उसके अपमान को दंडनीय बनाने का प्रावधान शामिल है। इसके अलावापहले से लंबित प्रमुख कई विधेयक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त राजनीतिक गलियारों में परिसीमन (डेलिमिटेशन) से जुड़े संभावित विधेयक पर भी व्यापक चर्चा रही,क्योंकि इसका संबंध भविष्य में महिलाओं के आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन और लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण से जोड़ा जा रहा है। हालांकि सरकार ने परिसीमन पर अंतिम निर्णय सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया,फिर भी यह विषय पूरे सत्र का सटीकता से सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा बन गया। साथियों,उधर विपक्ष ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह सरकार को केवल विधेयकों पर नहीं,बल्कि महंगाई, बेरोजगारी,कृषि संकट, मणिपुर की स्थिति,नीट परीक्षा विवाद,छात्र आंदोलनों अयोध्या मंदिर दान प्रकरण तथा परिसीमन जैसे विषयों पर घेरेगा। विपक्ष का तर्क था कि जनता से जुड़े इन प्रश्नों पर पहले चर्चा होनी चाहिए, जबकि सरकार का जोर विधायी कार्यों को आगे बढ़ाने पर था। यही टकराव पहले दिन काम काज़ शुरू होने के पहले घंटे से ही सदन के भीतर खुलकर दिखाई दिया। 20 जुलाई की सुबह जैसे ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही प्रारंभ हुई,विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष ने छात्र आंदोलनों और परीक्षा संबंधी मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग की।अध्यक्ष द्वारा बार-बार व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई,किंतु शोर-शराबा जारी रहा। परिणामस्वरूप दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। समाचारों के अनुसार दोपहर तक लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कम से कम पाँच बार स्थगित हुई और बाद में दोनों सदनों को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। पहले दिन कोई बड़ा विधायी कार्य नहीं हो सका। साथियों, पहले दिन की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि आगामी 25 दिन सरकार और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। सरकार का लक्ष्य आर्थिक सुधारों,कर प्रणाली, उद्योग,निवेश और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े विधेयकों को पारित कराना है, जबकि विपक्ष जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाबदेह बनाने की रणनीति अपनाए हुए है। यदि दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित नहीं होता, तो संसदीय उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।आर्थिक दृष्टि से यह सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशक केवल आर्थिक आंकड़े ही नहीं देखते, बल्कि यह भी देखते हैं कि किसी देश की संसद कितनी स्थिरता और दक्षता से निर्णय लेने में सक्षम है। यदि महत्वपूर्ण आर्थिक विधेयक समय पर पारित होते हैं, तो इससे भारत की निवेश क्षमता और वैश्विक विश्वसनीयता मजबूत होगी। इसके विपरीत लगातार गतिरोध से निवेशकों में अनिश्चितता का संदेश जा सकता है। साथियों, भारतीय शेयर बाजार भी इस सत्र पर निकट दृष्टि रखे हुए है। बैंकिंग, कर सुधार, एमएसएमई विनिर्माण डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना से जुड़े विधेयकों का सीधा प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों के शेयरों पर पड़ सकता है। यदि सरकार सुधारवादी एजेंडा आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो दीर्घकाल में निवेशकों का विश्वास और मजबूत हो सकता है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का यह सत्र महत्वपूर्ण माना जा रहा है।भारत आज भी ज़ी-20 ब्रिक्स क्वाड तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे में संसद की कार्यक्षमता यह संदेश देती है कि भारत केवल तेज़ आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के साथ भी आगे बढ़ रहा है। इसलिए विदेशी सरकारें, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और वैश्विक रेटिंग एजेंसियाँ भी इस सत्र के परिणामों पर नज़र रख रही हैं। साथियों, विज़न-2047 के संदर्भ में भी यह मानसून सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है।विकसित भारत का लक्ष्य केवलआर्थिक वृद्धि से प्राप्त नहीं होगा; इसके लिए कर सुधार, औद्योगिक विस्तार,रोजगार सृजन, शिक्षा,कृषि,डिजिटल प्रशासन और राजनीतिक सहमति जैसे अनेक क्षेत्रों में निरंतर सुधार आवश्यक हैं। संसद इन सभी सुधारों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच है। इसलिए अगले कुछ सप्ताहों में लिए जाने वाले निर्णय दूरगामी प्रभाव डाल सकते हैं। 20 जुलाई 2026 को शाम लगभग 5 बजे तक की स्थिति यह रही कि सदन का पहला दिन राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया। दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित हुई और अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सरकार ने अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने की इच्छा दोहराई, जबकि विपक्ष ने स्पष्ट संकेत दिया कि वह जनहित और राजनीतिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा के बिना सदन को सामान्य रूप से चलने नहीं देगा। साथियों, यदि भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली का वैश्विक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि विश्व की लगभग सभी प्रमुख लोकतांत्रिकव्यवस्थाओं में संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि आर्थिक विश्वास का भी सबसे महत्वपूर्ण आधार होती है। अमेरिका में कांग्रेस केगतिरोध ब्रिटेन में हाउस ऑफ कॉमन्स की राजनीतिक अस्थिरता, फ्रांस में संसद में बहुमत के संकट अथवा जापान में नीति निर्माण में देरी का सीधा प्रभाव वहां के शेयर बाजारों, विदेशी निवेश तथा मुद्रा बाजार पर पड़ता रहा है। भारत भी अब पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर एक वैश्विक शक्ति है, इसलिए भारतीय संसद की कार्यवाही पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, वैश्विक निवेश बैंक, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियाँ, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ निरंतर निगाह रखती हैं। यदि संसद में महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों,कर प्रणालीऔद्योगिक विकास, डिजिटल गवर्नेंस, रोजगार सृजन, कृषि आधुनिकीकरण तथा न्यायिक सुधारों से जुड़े विधेयकों पर सार्थक चर्चा होती है और समयबद्ध निर्णय लिए जाते हैं, तो भारत की ईजी ऑफ़ डूइंग बिज़नेस,निवेश आकर्षण और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई गति मिल सकती है। इसके विपरीत यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव, नारेबाजी और बार-बार स्थगन तक सीमित रह जाता है, तो इससे सुधारों की गति प्रभावित हो सकती है। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था आज पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत और विविधतापूर्ण है, फिर भी संसदीय उत्पादकता वैश्विक निवेशकों के लिए राजनीतिक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण संकेतक बनी रहती है। यही कारण है कि 20 जुलाई 2026 से प्रारंभ हुआ यह मानसून सत्र केवल भारतीय राजनीति का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक समुदाय की दृष्टि से भी सटीकता से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

साथियों दूसरी ओर, यह मानसून सत्र भारत के लोकतांत्रिक परिपक्वता की भी एक बड़ी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने विकास, आर्थिक सुधार और विकसित भारत 2047 के एजेंडे को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाए, जबकि विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है कि वह जनहित से जुड़े प्रश्नों,महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, शिक्षा,मणिपुरपरिसीमन सामाजिक न्याय और संघीय ढाँचे पर सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करे। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति तब दिखाई देती है जब सत्ता और विपक्ष दोनों टकराव के बजाय तर्क, संवाद और समाधान को प्राथमिकता देते हैं। यदि आगामी 25 दिनों में संसद सार्थक बहस, उच्च स्तर की संसदीय मर्यादा और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखते हुए महत्वपूर्ण विधेयकों पर सहमति बनाने में सफल रहती है, तो यह न केवल भारत की लोकतांत्रिक प्रतिष्ठा को विश्व स्तर पर और मजबूत करेगा, बल्कि निवेशकों का विश्वास बढ़ाकरअर्थव्यवस्था,उद्योग रोजगार, स्टार्टअप,विनिर्माण शेयर बाजार और 'विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को भी नई गति देगा। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मानसून सत्र 2026 केवल एक संसदीय कैलेंडर का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह उन ऐतिहासिक निर्णयों का मंच बन सकता है जो आने वाले दो दशकों में भारत की आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक भूमिका की दिशा और दशा दोनों निर्धारित करेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि इस प्रकार मानसून सत्र का पहला दिन यह संकेत देता है कि अगले 25 दिन केवल राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भारत की आर्थिक नीतियों, निवेश वातावरण, शेयर बाजार की दिशा और विकसित भारत-2047 के रोडमैप के लिए भी निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं। यदि सरकार और विपक्ष लोकतांत्रिक संवाद तथा रचनात्मक सहयोग का मार्ग अपनाते हैं, तो यह सत्र भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों का आधार बन सकता है; अन्यथा बार-बार का गतिरोध आर्थिक सुधारों की गति को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की निगाह आज भारतीय संसद पर टिकी हुई है।

मिशन पंजाब की शुरुआत

पश्चिम बंगाल में हालिया राजनीतिक सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अब पंजाब को अपने अगले बड़े राजनीतिक लक्ष्य के रूप में सामने रखना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जालंधर से मिशन पंजाब का औपचारिक आगाज किया। हरियाणा के जींद और चंडीगढ़ से होते हुए जालंधर पहुंचे प्रधानमंत्री ने 5470 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि पंजाब के समग्र विकास के लिए राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार आवश्यक है।

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री मोदी का पूरा संबोधन केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रहा बल्कि उसमें आगामी विधानसभा चुनावों की राजनीतिक रणनीति भी स्पष्ट दिखाई दी। उन्होंने किसानों, दलितों, युवाओं, व्यापारियों और उद्योग जगत को केंद्र में रखकर भाजपा की भावी राजनीति की दिशा तय करने का प्रयास किया। साथ ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुए मतदाताओं को यह संदेश देने की कोशिश की कि पंजाब को राजनीतिक अस्थिरता और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से बाहर निकालकर विकास की मुख्यधारा में लाने का काम केवल भाजपा कर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार ने कभी भी पंजाब के साथ भेदभाव नहीं किया। राज्य में भाजपा की सरकार न होने के बावजूद केंद्र ने विकास कार्यों के लिए लगातार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि सड़क, रेलवे, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और कृषि के क्षेत्र में अनेक परियोजनाएं केंद्र सरकार के सहयोग से आगे बढ़ रही हैं। उनका कहना था कि यदि राज्य और केंद्र दोनों में एक ही विचारधारा की सरकार होगी तो विकास की गति कई गुना तेज होगी और योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचेगा। प्रधानमंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब देश का अन्न भंडार है और यहां के किसानों ने हमेशा राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और कृषि से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि किसानों को मूल्य संवर्धन, भंडारण और निर्यात से भी जोड़ना होगा ताकि उनकी आमदनी में वास्तविक वृद्धि हो सके। दलित समाज का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब सामाजिक न्याय की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। शिक्षा, स्वरोजगार, आवास, छात्रवृत्ति और आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर काम करती है तथा किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं करती।

युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाला समय नवाचार, स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और आधुनिक उद्योगों का है। पंजाब के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें बेहतर अवसर और सही वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रोजगार सृजन, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई योजनाएं चला रही है। उनका कहना था कि पंजाब के युवाओं को नशे और निराशा से बाहर निकालकर रोजगार और विकास के रास्ते पर लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

व्यापारियों और उद्योग जगत को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब को एक बार फिर औद्योगिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, रेलवे, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से निवेश बढ़ेगा और नए उद्योग स्थापित होंगे। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में आम आदमी पार्टी पर सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग स्वयं को कट्टर ईमानदार बताते थे, वे आज कट्टर बेईमान साबित हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, झूठे वादे और प्रशासनिक विफलताओं ने पंजाब की जनता का भरोसा तोड़ा है। उनके अनुसार राज्य सरकार विकास की बजाय राजनीतिक प्रचार में अधिक व्यस्त है और जनता को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पार्टी लगातार आंतरिक कलह से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं का अधिक समय आपसी संघर्ष में बीतता है जबकि जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। उनके अनुसार जिस दल में नेतृत्व को लेकर निरंतर विवाद हो, वह राज्य को स्थिर और प्रभावी शासन नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि पंजाब को ऐसी सरकार चाहिए जो निर्णय लेने में सक्षम हो और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है बल्कि देश और राज्यों के दीर्घकालिक विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब के रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश किया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले वर्षों में भी विकास की यह गति और तेज होगी।

जालंधर की जनसभा से पहले प्रधानमंत्री ने हरियाणा के जींद में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर एक नया इतिहास भी रचा। जींद से सोनीपत के बीच शुरू हुई इस ट्रेन को भारत के हरित परिवहन अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जींद, सोनीपत और पूरा हरियाणा इतिहास का हिस्सा बन गया है क्योंकि देश ने स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल परिवहन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

उन्होंने कहा कि यदि 2014 से पहले पश्चिम एशिया जैसा बड़ा संकट आता तो भारत की रेलवे व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो जाती क्योंकि उस समय अधिकांश रेल सेवाएं डीजल पर निर्भर थीं। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लगभग 99 प्रतिशत रेल मार्गों का विद्युतीकरण हो चुका है, जिससे विदेशी ईंधन पर निर्भरता कम हुई है और रेलवे अधिक आधुनिक, सुरक्षित तथा पर्यावरण के अनुकूल बनी है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत अब केवल पारंपरिक विकास मॉडल तक सीमित नहीं है बल्कि हरित ऊर्जा, आधुनिक तकनीक और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कर चुका है। हाइड्रोजन ट्रेन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भारत रेलवे, ऊर्जा और परिवहन के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल होगा।

राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की जालंधर रैली केवल विकास परियोजनाओं का कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारियों का स्पष्ट संकेत भी थी। किसानों, दलितों, युवाओं, व्यापारियों और मध्यम वर्ग को केंद्र में रखकर भाजपा ने अपने चुनावी अभियान की रूपरेखा सामने रख दी है। आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप और कांग्रेस पर आंतरिक कलह का हमला भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है जिसके माध्यम से वह स्वयं को स्थिर, निर्णायक और विकासोन्मुख विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है।

आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भाजपा की यह रणनीति पंजाब की राजनीति में कितना प्रभाव डालती है। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जालंधर से मिशन पंजाब की शुरुआत करते हुए राज्य की राजनीति में चुनावी माहौल को नई दिशा दे दी है और भाजपा ने यह संकेत भी दे दिया है कि अब उसका लक्ष्य केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराना नहीं बल्कि पंजाब में सत्ता तक पहुंचना है।

रायपुर में भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने, प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने चलाया वाटर कैनन और छोड़े आंसू गैस के गोल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दिल्ली में राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम के विरोध को लेकर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बुधवार को भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर टकराव की स्थिति बन गई भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी के विरोध में कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन का घेराव करने पहुंचे थे इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया इसके साथ ही पुलिस ने कई बार आंसू गैस के गोले छोड़े प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था और कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर रास्ते बंद किए गए थे प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

भाजपा ने राहुल गांधी पर लगाए आरोप: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज करा रही है और कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ जनता के बीच अपनी बात रख रही है।वहीं, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश में अर्बन नक्सलवाद को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस की कथित नीतियों और गतिविधियों के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया हमला: दूसरी ओर कांग्रेस ने भाजपा के प्रदर्शन को लेकर सरकार पर निशाना साधा कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया गया और इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थरबाजी की गईकांग्रेस नेताओं का कहना है कि पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर आंसू गैस के गोले छोड़े। उन्होंने पुलिस पर पक्षपात करने का आरोप लगाया कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ताओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया।

प्रदर्शन के दौरान मची अफरा-तफरी: प्रदर्शन स्थल पर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं की भीड़ बढ़ने के बाद तनाव की स्थिति बन गई पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन चलाया और आंसू गैस के कई गोले छोड़े आंसू गैस के प्रभाव से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया बताया गया कि आंसू गैस के असर से कई प्रदर्शनकारी, पुलिस जवान और मौके पर कवरेज करने पहुंचे पत्रकार भी प्रभावित हुए पुलिस लगातार स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास करती रही सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

बैरिकेड तोड़ने की कोशिश: भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ रही थी उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने पहले से ही बैरिकेड लगाए थेप्रदर्शनकारियों द्वारा बैरिकेड हटाने या पार करने की कोशिश के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद नेताओं से बातचीत कर स्थिति शांत कराने का प्रयास कियाहालांकि कुछ समय तक दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

राजनीतिक बयानबाजी तेज: इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के विरोध को लेकर प्रदर्शन को जरूरी बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे भाजपा की राजनीतिक नौटंकी करार दिया।

कच्चे मकान से पक्के घर तक का सफर, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने बदली मानमती के परिवार की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक प्रभाव तब दिखाई देता है जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसके जीवन में स्थायी बदलाव लाता है। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों के लिए संचालित प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ऐसे ही परिवारों के लिए सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है एमसीबी जिले के जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवरी निवासी मानमती पति बारनु का परिवार इस योजना से हुए सकारात्मक बदलाव का उदाहरण है मानमती का परिवार वर्षों तक कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था मिट्टी की दीवारें, कमजोर छप्पर और बरसात में टपकती छत परिवार के लिए हर साल बड़ी चिंता का कारण बन जाती थी बारिश के दिनों में घर के अंदर पानी भर जाता था, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित होता था तेज हवा और आंधी के समय परिवार को मकान की सुरक्षा को लेकर हमेशा डर बना रहता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार अपने स्तर पर पक्का मकान बनाने में सक्षम नहीं था। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही उनके लिए चुनौती थी, ऐसे में सुरक्षित और मजबूत घर का सपना अधूरा था इसी दौरान प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत मानमती के परिवार का चयन हुआ योजना के माध्यम से उन्हें आवास निर्माण की स्वीकृति मिली और शासन से प्राप्त सहायता तथा प्रशासनिक सहयोग से पक्के मकान का निर्माण पूरा हुआ आज मानमती का परिवार अपने नए पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है। अब उन्हें बारिश, आंधी और खराब मौसम के दौरान घर की सुरक्षा को लेकर चिंता नहीं करनी पड़ती पक्का मकान मिलने से बच्चों को भी पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है और परिवार में स्थिरता एवं आत्मविश्वास बढ़ा है।मानमती बताती हैं कि पहले बरसात का मौसम उनके लिए परेशानी और भय लेकर आता था कच्चा मकान कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकता था लेकिन अब पक्का घर मिलने से उनका परिवार सुरक्षित महसूस करता है उनके अनुसार यह मकान केवल रहने की जगह नहीं बल्कि परिवार के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की मजबूत नींव बन गया है उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के लिए भारत सरकार, छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया उनका कहना है कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद जनजातीय परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है ग्राम पंचायत नेवरी में मानमती का पक्का घर अब अन्य पात्र परिवारों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बन गया है उनकी कहानी यह दर्शाती है कि जब शासन की योजनाएं सही हितग्राहियों तक पहुंचती हैं तो वे केवल आवास नहीं देतीं बल्कि लोगों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया विश्वास पैदा करती हैं।

बुलाकीटोला में हैंडपंपों का क्लोरीनेशन, सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पीएचई विभाग का विशेष अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जल जनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत बुलाकीटोला में सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कर पेयजल स्रोतों को संक्रमणमुक्त बनाने की कार्रवाई की गईलोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन में विभागीय तकनीकी टीम एवं हैंडपंप टेक्नीशियनों ने गांव के विभिन्न सार्वजनिक हैंडपंपों का निरीक्षण किया। निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रत्येक पेयजल स्रोत में 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर जल को जीवाणु रहित बनाने की प्रक्रिया अपनाई गई विभाग के अनुसार इस वैज्ञानिक प्रक्रिया से पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणु, वायरस एवं अन्य सूक्ष्मजीवों का प्रभावी नियंत्रण संभव होता है जिससे डायरिया, हैजा, टाइफाइड सहित अन्य जल जनित बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलती है।

अभियान के दौरान ग्रामीणों को बरसात के मौसम में पेयजल स्रोतों के दूषित होने की संभावना के बारे में भी जागरूक किया गया अधिकारियों ने बताया कि वर्षा ऋतु में नियमित क्लोरीनेशन, जल स्रोतों की साफ-सफाई और स्वच्छ पेयजल का उपयोग स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है ग्रामीणों से अपील की गई कि वे हैंडपंपों के आसपास जलभराव और गंदगी न होने दें, नालियों की नियमित सफाई कराएं तथा पीने के पानी का संग्रह हमेशा स्वच्छ और ढके हुए बर्तनों में करें।जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को व्यक्तिगत स्वच्छता, भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने की आदत, जल संरक्षण तथा पेयजल स्रोतों के रखरखाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई विभाग ने लोगों से कहा कि यदि किसी हैंडपंप के पानी की गुणवत्ता में बदलाव दिखाई दे या कोई तकनीकी खराबी आए तो इसकी सूचना तत्काल लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दें ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।ग्रामीणों ने विभाग के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नियमित क्लोरीनेशन से गांव में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा और जल जनित बीमारियों की आशंका कम होगी।

सेवा सेतु पोर्टल बना ग्रामीणों का भरोसेमंद सहारा, 10 दिनों में मिले आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पोर्टल ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए एक भरोसेमंद डिजिटल माध्यम बनकर उभर रहा है आधुनिक तकनीक के जरिए नागरिक अब घर बैठे विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए आवेदन कर निर्धारित समय-सीमा में उनका लाभ प्राप्त कर रहे हैं एमसीबी जिले के विकासखंड भरतपुर के ग्राम हरचौका निवासी संतोष यादव इसका ताजा उदाहरण हैं संतोष यादव ने अपने पुत्र मुकेश यादव के आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया आवेदन के बाद संबंधित विभाग ने दस्तावेजों का सत्यापन निर्धारित प्रक्रिया के तहत समयबद्ध तरीके से पूरा किया मात्र 10 दिनों के भीतर तीनों प्रमाण पत्र तैयार कर दिए गए जिन्हें तहसीलदार भरतपुर नीरज कांत तिवारी ने संतोष यादव को सौंपा। प्रमाण पत्र समय पर मिलने पर संतोष यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले ऐसे कार्यों के लिए कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी लेकिन सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से बिना किसी अनावश्यक भागदौड़ के पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समय पर पूरी हो गई उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से उपलब्ध शासकीय सेवाएं विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और छत्तीसगढ़ शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल ने आम नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक बना दी है इससे सरकारी कार्यालयों में भीड़ कम होने के साथ ही लोगों का समय और खर्च दोनों बच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु पोर्टल, ई-डिस्ट्रिक्ट सिस्टम का उन्नत संस्करण है। इसके माध्यम से 441 से अधिक शासकीय एवं लोक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। नागरिक इस पोर्टल के जरिए आय, जाति, निवास, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व सेवाओं सहित अनेक विभागीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध है तथा नागरिक अपने आवेदन की स्थिति भी ऑनलाइन देख सकते हैं।

बिजली के खंभे में करंट दौड़ने से मजदूर की मौत, परिजनों ने विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र में बिजली के खंभे में करंट आने से एक मजदूर की मौत हो गई घटना मंगलवार देर शाम झिंगुरा बस्ती स्थित आईपीएस स्कूल के पास हुई मृतक की पहचान झिंगुरा बस्ती निवासी 35 वर्षीय दिनेश कुशवाह के रूप में हुई है जो पुट्टी का काम करता था। जानकारी के अनुसार दिनेश काम से घर लौट रहा था तभी रास्ते में बिजली के खंभे के संपर्क में आ गया खंभे में करंट होने के कारण उसे तेज झटका लगा और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा आसपास मौजूद लोगों ने डंडे की मदद से उसे खंभे से अलग किया और परिजन तत्काल उसे शिवपुरी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई मुकेश कुशवाह ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उक्त खंभे में पहले भी कई बार करंट आ चुका था और इसकी शिकायत विभाग से की गई थी लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया परिजनों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही के कारण दिनेश की जान चली गई मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है फिजिकल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नैनो डीएपी से बदली खेती की तस्वीर, जनकपुर के किसान रघुवीर यादव ने कम लागत में बेहतर उत्पादन की ओर बढ़ाया कदम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ शासन और कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक खेती, संतुलित उर्वरक प्रबंधन और नई कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है इसी पहल के तहत इफको नैनो डीएपी किसानों के बीच एक प्रभावी विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। एमसीबी जिले के जनकपुर क्षेत्र के ग्राम खिरकी निवासी किसान रघुवीर यादव ने नैनो डीएपी का उपयोग कर खेती में बेहतर परिणाम हासिल किए हैं और वे अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। किसान रघुवीर यादव लंबे समय से खेती-किसानी से जुड़े हैं उनका कहना है कि लगातार बढ़ती उर्वरक लागत समय पर खाद की उपलब्धता और उत्पादन खर्च में वृद्धि किसानों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है ऐसे में कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करना आवश्यक हो गया है इसी दौरान कृषि विभाग एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, जनकपुर के माध्यम से उन्हें इफको नैनो डीएपी के बारे में जानकारी मिली कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि नैनो डीएपी आधुनिक नैनो तकनीक पर आधारित तरल उर्वरक है जो फसलों को आवश्यक पोषक तत्व प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराता है। इसके उपयोग से पोषक तत्वों की दक्षता बढ़ती है और उर्वरकों का संतुलित उपयोग संभव होता है विभागीय अधिकारियों ने रघुवीर यादव को इसके उपयोग की वैज्ञानिक विधि और सही मात्रा की जानकारी भी दी जानकारी प्राप्त करने के बाद रघुवीर यादव ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जनकपुर से नैनो डीएपी खरीदा और कृषि विभाग के मार्गदर्शन में अपनी फसल में इसका प्रयोग किया। शुरुआत में उन्हें इस नई तकनीक को लेकर कुछ संकोच था, लेकिन वैज्ञानिक सलाह पर भरोसा करते हुए उन्होंने निर्धारित समय और मात्रा के अनुसार इसका उपयोग किया।

कीटनाशक दुकान में किसान की जेब से 9 हजार रुपए चोरी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में दिनदहाड़े एक किसान की जेब से हजारों रुपए चोरी होने का मामला सामने आया है एबी रोड स्थित एक कीटनाशक दुकान पर दवा खरीदने पहुंचे किसान की जेब से अज्ञात युवक ने भीड़ का फायदा उठाकर करीब 8 से 9 हजार रुपए पार कर दिए चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जानकारी के अनुसार ग्राम साखनौर निवासी किसान विनोद लोधी एबी रोड स्थित शाकाम्बरी ट्रेडर्स पर कीटनाशक दवा खरीदने पहुंचे थे दुकान पर ग्राहकों की भीड़ के दौरान एक अज्ञात युवक उनके पीछे खड़ा था इसी दौरान मौका पाकर युवक ने किसान की जेब से नकदी निकाल ली और वहां से फरार हो गया दवा खरीदने के बाद जब विनोद लोधी भुगतान करने के लिए जेब में हाथ डालने लगे तो उन्हें रुपए गायब मिले इसके बाद दुकान संचालक ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की जिसमें संदिग्ध युवक किसान की जेब से रुपए निकालते हुए दिखाई दिया पीड़ित किसान ने मामले की शिकायत कोलारस थाने में दर्ज कराई है।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट का बड़ा फैसला : अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10' आरक्षण, किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने बनेगी मंत्री उप समिति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में किसानों और अग्निवीर सैनिकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई गई बैठक में राज्य सरकार ने अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने और खरीफ तथा रबी सीजन में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए मंत्री-मंडलीय उप समिति के गठन का निर्णय लिया है कैबिनेट के फैसले के अनुसार राज्य में अग्निवीर सैनिकों को तृतीय श्रेणी के सरकारी पदों पर 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ अग्निवीर सैनिक आरक्षण नियम-2026' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। यह आरक्षण पुलिस विभाग में आरक्षक, वन विभाग में वनरक्षक और जेल विभाग में प्रहरी जैसे पदों की सीधी भर्ती में लागू होगा

चार साल सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को मिलेगा लाभ: सरकार के निर्णय के अनुसार इस आरक्षण का लाभ उन्हीं अग्निवीर सैनिकों को मिलेगा, जिन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों में चार वर्ष की निर्धारित सेवा पूरी की हो और वैध सेवा प्रमाण पत्र के साथ सेवामुक्त हुए हों ऐसे पूर्व अग्निवीर सरकारी सेवाओं में भर्ती के दौरान इस आरक्षण व्यवस्था का लाभ उठा सकेंगे। राज्य सरकार का कहना है कि अग्निवीर सैनिकों को सरकारी सेवा में अवसर मिलने से उन्हें सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध होगा। साथ ही सेना में सेवा के दौरान प्राप्त अनुशासन, प्रशिक्षण और अनुभव का लाभ पुलिस, वन और जेल विभाग जैसे विभागों को भी मिलेगायह निर्णय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 26 जुलाई 2024 को विधानसभा में की गई घोषणा के अनुपालन में लिया गया है। सरकार का मानना है कि अग्निवीरों के कौशल और क्षमता का उपयोग राज्य की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने में किया जा सकेगा।

किसानों के लिए खाद व्यवस्था पर बनेगी मंत्री उप समिति: कैबिनेट बैठक में किसानों से जुड़े मुद्दे पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। खरीफ और रबी सीजन में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए मंत्री-मंडलीय उप समिति के गठन को मंजूरी दी गई हैयह समिति प्रदेश में खाद की उपलब्धता, आपूर्ति, वितरण व्यवस्था और प्रबंधन की लगातार निगरानी करेगी। समिति किसानों को खाद मिलने में आने वाली समस्याओं का अध्ययन कर सरकार को आवश्यक सुझाव भी देगी।इस समिति की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री करेंगे समिति में कृषि मंत्री, सहकारिता मंत्री और वित्त मंत्री सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे कृषि उत्पादन आयुक्त समिति के संयोजक होंगे आवश्यकता पड़ने पर समिति की बैठकों में विभागीय अधिकारियों, कृषि विशेषज्ञों और अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जा सकेगा सरकार ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ और रबी दोनों मौसमों में समय पर खाद उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही खाद की उपलब्धता, भंडारण, वितरण और किसी भी संभावित कमी को दूर करने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना है।

बैराड़ में सराफा दुकान में चोरी की कोशिश नाकाम, गैस कटर से ताला काट रहे बदमाश पुलिस देखकर भागे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बैराड़ कस्बे में पुलिस की सतर्कता से सराफा बाजार में चोरी की बड़ी वारदात टल गई। बुधवार देर रात तीन बदमाश गैस कटर और अन्य उपकरणों के साथ सोने-चांदी की दुकान का ताला काटने पहुंचे थे, लेकिन इसी दौरान रात्रि गश्त कर रही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंच गई पुलिस वाहन को देखकर बदमाश घबरा गए और गैस कटर सहित अन्य सामान मौके पर छोड़कर फरार हो गए घटना 22 जुलाई की रात करीब 12 बजे बैराड़ कस्बे के मेन रोड स्थित सराफा बाजार की बताई जा रही है जानकारी के अनुसार बदमाशों ने जगदीश गुप्ता की सोने-चांदी की दुकान को निशाना बनाया था। तीनों आरोपी एक बैग में गैस कटर और चोरी में इस्तेमाल होने वाले अन्य औजार लेकर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने दुकान के ताले को गैस कटर से काटना शुरू कर दिया इसी दौरान क्षेत्र में गश्त कर रही डायल-112 की टीम वहां पहुंच गई। पुलिस वाहन को आता देख बदमाशों में हड़कंप मच गया और वे गैस कटर को चालू हालत में छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से भाग निकले बताया गया कि गैस कटर चालू रहने के कारण उसमें आग लग गई और कुछ देर बाद हल्का विस्फोट भी हुआ पुलिस ने तत्काल आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी की, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहे बैराड़ थाना प्रभारी सुरेश शर्मा ने बताया कि घटना के समय उपनिरीक्षक अजय कुमार खलको, डायल-112 में तैनात प्रधान आरक्षक इकबाल अहमद, आरक्षक देवेंद्र, आरक्षक धर्मपाल धाकड़ और आरक्षक अतरसिंह रावत रात्रि गश्त पर थे पुलिस टीम की समय पर मौजूदगी के कारण चोरी की वारदात को अंजाम देने से पहले ही बदमाशों को भागना पड़ा और लाखों रुपए के नुकसान से बचाव हो गया। पूरी घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है फुटेज में तीनों संदिग्ध गैस कटर और अन्य सामान के साथ दुकान का ताला काटते हुए दिखाई दे रहे हैं पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को जांच में शामिल कर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है ।

सिवनी में पांच दिन की बारिश से किसानों को राहत धान-मक्का की फसलों में लौटी रौनक, नदी-नालों का बढ़ा जलस्तर

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले में पिछले पांच दिनों से हो रही रुक-रुककर बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है। लगभग एक सप्ताह तक कमजोर मानसून और तेज धूप के कारण चिंतित किसानों की धान और मक्का की फसलें सूखने की कगार पर थीं, जिन्हें अब नया जीवन मिला है। खेतों में नमी लौटने से किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। पिछले सप्ताह बारिश की कमी के कारण खेतों की ऊपरी सतह सूख गई थी। विशेष रूप से हाल ही में बोई गई धान और मक्का की फसलें प्रभावित हो रही थीं। किसानों को आशंका थी कि बारिश न होने पर उन्हें दोबारा बुआई या अतिरिक्त सिंचाई करनी पड़ सकती है,जिससे खेती की लागत में वृद्धि होती। शुक्रवार से बुधवार तक जारी इस बारिश ने स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। जिले का बरघाट विकासखंड धान उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है,जहां बड़े पैमाने पर धान की खेती होती है। धान की रोपाई के बाद खेतों में लगातार पानी की उपलब्धता आवश्यक होती है। पिछले पांच दिनों की बारिश से धान के खेतों में

पर्याप्त पानी जमा हो गया है, जिससे पौधों की जड़ों को मजबूती मिलेगी और फसल का बेहतर विकास होगा। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार,वर्तमान मौसम धान की रोपाई और खरीफ फसलों की बढ़वार के लिए अनुकूल है।जिन किसानों की रोपाई अभी शेष है,उन्हें भी पर्याप्त पानी मिलने से अपने कार्य में तेजी लाने में मदद मिलेगी। इस लगातार बारिश का लाभ केवल खरीफ फसलों तक ही सीमित नहीं है।इससे तालाबों,कुओं,नलकूपों और छोटे जलाशयों का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। कई नदी-नाले उफान पर हैं और पुल-पुलियों तथा रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है। इन स्थितियों को देखते हुए, प्रशासन ने लोगों से जलमग्न मार्गों को अनावश्यक रूप से पार न करने और सतर्कता बरतने की अपील की है। जिले में 1 जून से अब तक 376.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।केवलारी में सर्वाधिक 45 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा छपारा में 26.2 मिमी, घंसौर में 25 मिमी, कुरई में 17 मिमी, धनौरा में 16 मिमी,सिवनी में 13.8 मिमी, लखनादौन में 12 मिमी तथा बरघाट में 9.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

जल जीवन मिशन के 155 पाइप चोरी रतलाम में दूसरे प्रोजेक्ट के ठेकेदारों ने चुराए 15 लाख के पाइप, अलवर से पकड़ाए 2 आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले में जल जीवन मिशन परियोजना के 155 लोहे के पाइप चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो ठेकेदारों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी राजस्थान के अलवर के रहने वाले हैं और रावटी क्षेत्र में दूसरी पाइपलाइन परियोजना पर काम कर रहे थे। पुलिस बुधवार दोपहर दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी। मामला बिलपांक थाना क्षेत्र का है। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, हैदराबाद के मैनेजर प्रसाद, निवासी बिहार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी जल जीवन मिशन के तहत माही जल समूह प्रदाय योजना पर काम कर रही है। ईटावा खुर्द और शिवपुर के बीच पाइपलाइन बिछाने के लिए सुराना-शिवपुर रोड पर 300 एमएम व्यास के 809 लोहे के पाइप रखे गए थे। बारिश के कारण खुदाई का काम रुका हुआ था। जब कंपनी का स्टाफ पाइप देखने पहुंचा तो गिनती में 809 में से 155 पाइप कम मिले। चोरी हुए पाइपों की कीमत 15 लाख रुपए से अधिक बताई गई। पांच दिन बाद दर्ज कराई शिकायत कंपनी ने घटना के पांच दिन बाद पुलिस को शिकायत दी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में 14 जुलाई की रात करीब 2:46 बजे दो लोग हाइड्रा मशीन की मदद से पाइप दो आयशर ट्रकों में भरते दिखाई दिए।

सीसीटीवी से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: जांच के दौरान पुलिस ने हाइड्रा मशीन का पीछा किया। मशीन सालाखेड़ी स्थित एक निजी पार्किंग में मिली। पार्किंग की रसीद वसीम मेव के नाम पर थी। इसके आधार पर पुलिस अलवर पहुंची। जांच में सामने आया कि वसीम मेव (24) रावटी क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने का ठेका लेकर काम कर रहा था। काम बंद होने पर उसने अलवर लौटते समय पाइप चोरी की साजिश रची। इस वारदात में उसका मामा शाहरुख मेव (30), निवासी अलवर भी शामिल था। चार अन्य आरोपियों की तलाश जारी बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर रतलाम लाया गया है। पूछताछ में दोनों ट्रकों, हाइड्रा मशीन के चालकों और पाइप बेचने वाले एजेंट की जानकारी भी मिली है। इन चारों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम राजस्थान गई है। जिन ट्रकों में पाइप ले जाए गए थे, उनकी भी तलाश की जा रही है। पुलिस आरोपियों का रिमांड लेकर आगे पूछताछ करेगी।

मौसी की बेटी पर शादी के गहने चोरी का आरोप खंडवा में 3.65 लाख का माल बरामद, नागपुर से 3 आरोपी पकड़े गए

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा की मूंदी पुलिस ने शादी के गहने और नकदी चोरी के मामले का खुलासा करते हुए नागपुर (महाराष्ट्र) से एक युवती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.15 लाख रुपए नकद, करीब 2.50 लाख रुपए कीमत के सोने के जेवर और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक जब्त की है। बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 3.65 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, तालाब मोहल्ला, मूंदी निवासी ऋषभ पिता विनोद राठौर ने 17 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी मौसी की बेटी अम्बिका उर्फ खुशी शादी के लिए रखे गए सोने के गहने और 1.80 लाख रुपए नकद चोरी कर ले गई है। शिकायत के आधार पर थाना मूंदी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम नागपुर (महाराष्ट्र) पहुंची और कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह आरोपी हुए गिरफ्तार गिरफ्तार आरोपियों में अम्बिका उर्फ खुशी (18), रमजान शेख (24) और मुकेश उर्फ भैरव (22) शामिल हैं। तीनों पंधाना थाना क्षेत्र के बोरगांव बुजुर्ग के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 2.50 लाख रुपए के सोने के जेवर, 1.15 लाख रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद मशरूका की कुल कीमत करीब 3.65 लाख रुपए आंकी गई है। पूछताछ और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय से जेल वारंट जारी होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले के खुलासे में ञ्ढ्ढ राजेंद्र नरवरिया, इंस्पेक्टर उमेश लाखरे, बोरगांव चौकी प्रभारी अविनाश भोपले, एएसआई फिरोज खान, आरक्षक नरेंद्र यादव और दिनेश सिसोदे की भूमिका रही।

नर्मदापुरम में लंबे समय बाद सक्रिय मानसून धान रोपाई में जुटे किसान, नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा करीब 4इंच बारिश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम लंबे इंतजार के बाद नर्मदापुरम जिले में मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। पिछले 24 घंटे से जिलेभर में लगातार बारिश का दौर जारी है। कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया है। मंगलवार रात करीब 7:45 बजे शुरू हुई तेज बारिश आधी रात तक जारी रही, जिससे शहर में 2 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश से तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई है और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली है। जिले के नर्मदापुरम शहर के अलावा इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर, सिवनी मालवा, बनखेड़ी और पचमढ़ी में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा नर्मदापुरम और सोहागपुर में हुई। पिछले 24 घंटे में नर्मदापुरम में 4 इंच, सोहागपुर में करीब 3 इंच पानी रिकॉर्ड किया गया। चार दिन तक सक्रिय रहेगा मानसून मौसम वैज्ञानिक वी.एस. यादव के अनुसार, ऊपरी हवाओं में बने चक्रवाती परिसंचरण और प्रदेश से गुजर रही मानसून ट्रफ के प्रभाव से जिले में 22 से 25 जुलाई तक मानसून सक्रिय रहेगा। इस दौरान अधिकांश क्षेत्रों में मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है।

15 दिन बाद बरसे मेघ फसलों को मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, बामंदी (निप्र)। क्षेत्र में मानसून की लंबी खींच के बाद मंगलवार को आखिरकार राहत की फुहारें बरसीं। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुई रिमझिम बारिश का दौर शाम तक जारी रहा। इससे मौसम सुहावना हो गया और लंबे समय से तेज गर्मी झेल रही फसलों को भी राहत मिली। ग्रामीणों के अनुसार मानसून की शुरुआत में केवल दो-तीन बार मध्यम बारिश हुई थी। इसके बाद करीब 15 दिनों तक वर्षा नहीं होने से तेज धूप के कारण क्षेत्र में बोई गई फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने लगा था। मंगलवार की बारिश से खेतों में नमी लौटी, जिसे किसानों ने फसलों के लिए संजीवनी बताया। किसान नरेंद्र पटेल ने बताया कपास, मक्का सहित खरीफ की अन्य फसलें करीब दो माह की हो चुकी हैं। यह उनके विकास का महत्वपूर्ण समय है। रिमझिम बारिश से फिलहाल राहत मिली है, लेकिन अच्छी पैदावार के लिए झमाझम और लगातार मानसूनी बारिश की जरूरत है।

देवास में छह मिनट में 22 लाख की कार चोरी

सीसीटीवी में कैद वारदात, जीपीएस निष्क्रिय; की-लेस सिस्टम हैक कर चोरी की आशंका

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास शहर के बीएनपी थाना क्षेत्र में हाईटेक तरीके से कार चोरी का मामला सामने आया है। बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी करीब 22 लाख रुपए की कार महज छह मिनट में चोरी कर ली। वारदात के दौरान कार का न तो कांच तोड़ा गया और न ही किसी प्रकार की तोड़फोड़ की गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने कार के की-लेस एंट्री सिस्टम या इलेक्ट्रॉनिक सेंसर को हैक कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, घटना 15 जुलाई की रात 3:32 बजे की है। तीन बदमाश एक सफेद कार से मौके पर पहुंचे और 3:38 बजे तक रजनीश अग्रवाल की काले रंग की कार स्टार्ट कर लेकर फरार हो गए। घटना के समय कार मालिक खाटू श्याम के दर्शन के लिए बाहर गए हुए थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद थे। सुबह बाहर देखने पर कार गायब

मिली। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में तीनों बदमाश दूसरी कार से आते और कुछ ही मिनटों में कार चोरी कर फरार होते दिखाई दिए। चोरी के बाद दोनों कारें शहर के कई स्थानों पर एक साथ गुजरती भी नजर आईं। पीड़ित ने बीएनपी थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। चोरी की कार से आए, रास्ते में बदली नंबर प्लेट

जांच में सामने आया कि आरोपी जिस कार से आए थे, वह भी कुछ दिन पहले गुजरात से चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी विजयागंज मंडी रोड स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, जहां उन्होंने कार की नंबर प्लेट बदली। इस दौरान दोनों कारों का कुछ सामान भी वहीं फेंक दिया। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि आरोपियों की कार गुजरात से चोरी की गई थी। इसके बाद आरोपी उज्जैन रोड की ओर फरार हो गए। सॉफ्टवेयर से बंद कर दिया कार का जीपीएस कार मालिक रजनीश अग्रवाल ने बताया कि वाहन में कंपनी का जीपीएस सिस्टम लगा था। घटना के बाद कंपनी से संपर्क कर लोकेशन ट्रैक करने का प्रयास किया गया, लेकिन पता चला कि सॉफ्टवेयर के जरिए जीपीएस को निष्क्रिय कर दिया गया है। इससे कार की लोकेशन नहीं मिल सकी। की-लेस सिस्टम हैक करने की आशंका, हर एंगल से जांच पुलिस सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सबूतों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बदमाशों ने कार के की-लेस एंट्री सिस्टम या इलेक्ट्रॉनिक सेंसर को हैक कर चोरी को अंजाम दिया या किसी अन्य तकनीक का इस्तेमाल किया। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

सीहोर में चरनाल नाला उफान पर, ग्रामीण जान जोखिम में पुल के ऊपर से बह रहा पानी, प्रशासन बेखबर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के चरनाल गांव में लगातार बारिश के कारण नाला उफान पर है। नाले के ऊपर बने पुल से पानी बह रहा है, जिससे ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर रास्ता पार करना पड़ रहा है। मौके पर आवागमन रोकने के लिए कोई बैरिकेडिंग या सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की अनदेखी पर नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि दैनिक आवश्यकताओं, खेती-किसानी और चिकित्सा आपातकाल के कारण उन्हें यह जोखिम भरा रास्ता पार करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को कई बार सूचित करने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। पानी के तेज बहाव के बीच से वाहन और लोग बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के गुजर रहे हैं, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने रास्ते पर रोक लगाने की मांग की: ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक नाले का जलस्तर कम नहीं होता, तब तक आवागमन पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने मौके पर मजबूत बैरिकेडिंग, वैकल्पिक रास्ते का इंतजाम और सुरक्षा कर्मचारियों की तैनाती की भी मांग की है। इस मामले पर शिक्षा विभाग के डीपीसी आरआर उइके से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, चरनाल के ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर इस रास्ते का उपयोग करने को मजबूर हैं।

गैस किट लगी वेन समेत तीन स्कूल वाहन जब्त एलपीसी गैस किट लगाकर क्षमता से अधिक बैठा रखे थे बच्चे

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने स्कूल वाहनों की जांच अभियान शुरू किया है। सोमवार को शहर और आसपास के क्षेत्रों में हुई कार्रवाई के दौरान गैस किट लगी एक स्कूल वैन समेत तीन वाहनों को जब्त किया गया। सभी वाहनों में नियमों का उल्लंघन पाया गया। जांच के दौरान टीम ने स्कूल वैन क्रमांक एमपी 09 बीई 0646 को रोका। यह वाहन स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने में लगा था। चालक से वाहन के दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। वाहन में क्षमता से अधिक बच्चे बैठे मिले। डिक्की की जांच करने पर उसमें एलपीजी गैस किट लगी मिली। एलपीजी से चल रहे वाहनों को जब्त किया जांच में सामने आया कि वाहन एलपीजी गैस से चल रहा था। साथ ही यह प्राइवेट

श्रेणी में पंजीकृत होने के बावजूद अनधिकृत रूप से स्कूली बच्चों का परिवहन कर रहा था। इसके बाद विभाग ने वाहन जब्त कर लिया। इसी अभियान में टाटा मैजिक क्रमांक एमपी 67 टी 0583 भी पकड़ी गई। यह वाहन बिना बीमा के संचालित हो रहा था और प्राइवेट श्रेणी में पंजीकृत होने के बावजूद स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने में इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं स्कूल बस क्रमांक एमपी 09 एफए 3897 बिना फिटनेस के चलती मिली। विभाग ने तीनों वाहनों को जब्त कर आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ा करा दिया। नियमों का पालन करने के निर्देश क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने स्कूल वाहन संचालकों को निर्देश दिए हैं।

रायसेन में दूसरे दिन भी मेहरबान मानसून 500 फीट की ऊंचाई से लबालब दिखे धान के खेत,गैरतगंज में सबसे ज्यादा 4.65 इंच वर्षा दर्ज, नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में मानसून ने लगातार दूसरे दिन भी रफ्तार बनाए रखी। आधी रात से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह तक रुक-रुककर जारी रही। लगातार हो रही वर्षा से जिले के खेत पानी से लबालब भर गए हैं और किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। मौसम विभाग ने बुधवार दोपहर के बाद जिले में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। लगातार बारिश के चलते जिले के खेतों में पर्याप्त पानी भर गया है। करीब 500 फीट की ऊंचाई से देखने पर धान के खेत पानी से भरे नजर आए, जिससे चारों ओर हरियाली की मनमोहक तस्वीर दिखाई दी। सदलपुर और आसपास की पहाड़ियों से झरने भी बहने लगे हैं, जिससे क्षेत्र का प्राकृतिक सौंदर्य और निखर गया है। धान की रोपाई में जुटे

किसान बारिश के बाद किसानों ने कृषि कार्यों में तेजी ला दी है। बुधवार सुबह से ही किसान ट्रैक्टर और कृषि उपकरण लेकर खेतों में पहुंच गए। कई स्थानों पर धान की रोपाई का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। खेतों में कीचड़ तैयार होने के बाद मजदूर और किसान पौध रोपने में जुटे हुए हैं। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से धान की फसल को बड़ा फायदा मिलेगा और इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद बढ़ गई है। नदी-नाले और तालाबों का जलस्तर बढ़ा लगातार बारिश का असर जिले के नदी-नालों और तालाबों पर भी दिखाई देने लगा है। कई छोटे जलस्रोतों में पानी की आवक बढ़ गई है, जिससे जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय बाद अच्छी बारिश होने से पेयजल और सिंचाई की स्थिति में भी सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। भारी बारिश का अलर्ट जारी मौसम विभाग के अनुसार, जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। दोपहर के बाद कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। बिजली गिरने और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए लोगों को अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह दी गई है। अब तक 12.14 इंच औसत वर्षा जिला भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, 1 जून से 21 जुलाई तक रायसेन जिले में 308.37 मिलीमीटर (12.14 इंच) औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 588.8 मिलीमीटर (23.18 इंच) बारिश हुई थी। यानी इस वर्ष अब तक जिले में पिछले साल की तुलना में काफी कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

तहसीलवार वर्षा का आंकड़ा

भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के अनुसार 1 जून से 21 जुलाई तक विभिन्न वर्षामापी केंद्रों पर दर्ज वर्षा इस प्रकार रही–

रायसेनः 11.87 इंच गैरतगंजः 15.35 इंच बेगमगंजः 16.61 इंच
सिलवानीः 11.31 इंच गौहरगंजः 8.39 इंच बरेलीः 12.21 इंच
उदयपुराः 16.69 इंच बाड़ीः 9.09 इंच सुल्तानपुरः 7.61 इंच
देवरीः 12.26 इंच तहसीलवार वर्षा का आंकड़ा

जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। दाहिने घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। इस उभरते हुए खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी का एक अहम मौका नहीं मिल सकेगा। इसी के साथ बेथेल के अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। बर्मिंघम फीनिक्स ने शुक्रवार को ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ ओपनिंग मैच के लिए बेथेल की जगह साउथ अफ्रीका के डोनोवन फरेरा को कप्तान चुना है। फ्रेंचाइजी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की फिटनेस पर भी नजर रख रही है, जो हाल ही में इंटरनेशनल ड्यूटी के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद टीम में शामिल हुए हैं। बेथेल भारत के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। सोमवार सुबह एमआरआई स्कैन के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बेथेल के फिट होने में लगने वाले समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड का पहला टेस्ट मैच 19 अगस्त को हेडिंग्ले में शुरू होगा। सीरीज के अगले दो मुकाबले 27 अगस्त और 9 सितंबर से खेले जाएंगे।

ईसीबी ने एक बयान में कहा, 'जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हो गए हैं। उन्हें मेट्रो बैंक वनडे सीरीज के दौरान चोट लगी थी और कल सुबह उनका एमआरआई स्कैन हुआ था। वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे और हम जरूरत के हिसाब से अपडेट देते रहेंगे।' अपनी निराशा जाहिर करते हुए बेथेल ने कहा, 'द हंड्रेड से बाहर होना निराशाजनक है, खासकर एजबेस्टन में अपने फैंस के सामने बर्मिंघम फीनिक्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका चूकना। दुर्भाग्य से, मुझे पूरी तरह फिट होने के लिए समय चाहिए। अब मेरा ध्यान अपना रिहैबिलिटेशन पूरा करने और पूरी तरह फिट होकर वापसी करने पर है।' 21 वर्षीय खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स ने 3,40,000 पाउंड के कॉन्ट्रैक्ट पर रिटेन किया और 2026 सीजन के लिए कप्तान बनाया था। इस फ्रैंचाइजी की संयुक्त मालकिन वार्विकशायर और अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फंड नाइटहेड कैपिटल हैं। इंग्लैंड के फुटबॉल स्टार जूड बेलिंगहम भी इसमें स्टेकहोल्डर हैं।

वैभव सूर्यवंशी जो आज कर रहे हैं, वैसा पहले कभी किसी ने नहीं किया : हरभजन सिंह

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को 'अविश्वसनीय' प्रतिभा बताते हुए कहा कि वह अपने खेल में निर्भीक अंदाज से ऐसा कर रहे हैं जो पहले कभी किसी खिलाड़ी ने नहीं किया। हरभजन ने 'जियोस्टार' से बातचीत में कहा कि सूर्यवंशी का अपनी स्वाभाविक शैली पर भरोसा करना आधुनिक क्रिकेट की बदलती सोच को दर्शाता है जहां खिलाड़ियों को खुलकर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा, 'आज के युवाओं और पहले के युवाओं में सबसे बड़ा अंतर मीडिया और सोशल मीडिया की पहुंच का है। पहले भी ऐसी चीजें होती थीं, लेकिन आज उन्हें कहीं अधिक तवज्जो मिलती है।' इस पूर्व स्पिनर ने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी आज जिस तरह का खेल दिखा रहे हैं, वैसा पहले कभी किसी ने नहीं किया। वह अविश्वसनीय हैं, बेहद शानदार प्रतिभा हैं। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी ऐसी प्रतिभा देखी है या उसका सामना किया है।' हरभजन ने इस दौरान भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि द्रविड़ ने सूर्यवंशी से पूछा था कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) करियर की पहली गेंद पर क्या करेंगे।

● जीत की राह पर लौटने उतरेगी टीम इंडिया

श्रेयस अय्यर की कप्तानी की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड दौरे की निराशा को पीछे छोड़ते हुए भारतीय टीम अब जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहला मुकाबला 23 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में यह सीरीज टीम इंडिया के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि वह अब तक बतौर कप्तान लगातार खराब नतीजों का सामना कर चुके हैं।

श्रेयस अय्यर के सामने पहली टी20 सीरीज जीत की चुनौती

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर सात टी20 मुकाबले खेले, लेकिन टीम एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। ऐसे में जिम्बाब्वे के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए कप्तान के तौर पर पहला बड़ा मौका है। दूसरी ओर मेजबान टीम हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ दमदार प्रदर्शन कर आत्मविश्वास से भरी हुई है।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी सबकी नजरें

15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। वैभव अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं, क्योंकि संजू सैमसन इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं। हरारे का मैदान वैभव के लिए बेहद खास है। इसी मैदान पर उन्होंने इस साल फरवरी में अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़कर भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अभिषेक शर्मा ने भी इसी मैदान पर अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक लगाया था।

हरारे की पिच पर तेज गेंदबाज बन सकते हैं चुनौती

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर शुरुआत में तेज गेंदबाजों को अच्छी मदद मिलती है। ऐसे में ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा की तेज गेंदबाजी भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ले सकती है। भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती ओवरों में संभलकर खेलना होगा।

प्लेइंग इलेवन को लेकर कई सवाल

टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर संयोजन को लेकर है। शिवम दुबे, हर्ष दुबे और सूर्यांश शेडगे में से किसे मौका मिलेगा, इस पर फैसला आसान नहीं होगा। वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में मयंक यादव और प्रिंस यादव का खेलना लगभग तय माना जा रहा है, जबकि तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में यश ठाकुर और आशीष शर्मा में मुकाबला है। दोनों टीमों की संभावित टीम भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे।

चेल्सी फुटबॉल क्लब से जुड़े इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स

● 7 साल का हुआ करार

लंदन ,एजेंसी। चेल्सी फुटबॉल क्लब ने इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स को एस्टन विला से साइन कर लिया है। प्रीमियर लीग क्लब ने कहा कि 23 साल के खिलाड़ी ने 2033 तक स्टैमफोर्ड ब्रिज में रहने के लिए सात साल की डील साइन की है। चेल्सी ने मिडफील्डर को कथित तौर पर 117 मिलियन पाउंड की डील पर साइन किया है, जिससे वह अब तक के सबसे महंगे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस गर्मी की शुरुआत में इलियट एंडरसन के 116 मिलियन पाउंड में मैनचेस्टर सिटी में शामिल होने का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लब द्वारा जारी एक बयान में रोजर्स ने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरे लिए चेल्सी लंदन का सबसे बड़ा क्लब है और एक ऐसा क्लब है जिसकी मैं बचपन से तारीफ करता रहा हूं। मैं नए मैनेजर के साथ प्रोजेक्ट, हमारे पास मौजूद खिलाड़ियों और क्लब की दिशा को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इसी वजह से मैं यहां हूं, और क्लब की तरफ से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' आर्सेनल ने इस ट्रांसफर विंडो में मॉर्गन रोजर्स को अपनी पहली पसंद के फॉरवर्ड के रूप में देखा था। हालांकि, क्लब ने उतनी ट्रांसफर फीस देने से इनकार कर दिया, जितनी प्रीमियर लीग 2025-26 चैंपियन चेल्सी देने के लिए तैयार थी। इसलिए आर्सेनल इस डील को पूरा नहीं कर सका। चेल्सी से जुड़ने से पहले मॉर्गन रोजर्स ने खुद को प्रीमियर लीग के सबसे प्रतिभाशाली युवा अटैकिंग खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। एस्टन विला के लिए खेलते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और 85 प्रीमियर लीग मैचों में गोल और असिस्ट मिलाकर 40 गोल में योगदान दिया। उनके दमदार खेल की बदौलत टीम पिछले सीजन में प्रीमियर लीग के शीर्ष चार में जगह बनाने में सफल रही और बाद में यूईएफए यूरोपा लीग का खिताब भी जीता। एस्टन विला ने मॉर्गन रोजर्स को विदाई देते हुए कहा कि वह एक शानदार पेशेवर खिलाड़ी रहे हैं। क्लब ने अपने बयान में कहा कि रोजर्स ने हमेशा पूरी मेहनत और समर्पण के साथ क्लब के लिए खेला। रोजर्स के योगदान के लिए क्लब उनका आभार व्यक्त करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। क्लब ने यह भी कहा कि हाल के वर्षों में मिली कई बड़ी सफलताओं और यादगार पलों में रोजर्स की अहम भूमिका रही है। रोजर्स ने नवंबर 2024 में इंग्लैंड की सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया था। इसके बाद वह नेशनल टीम के नियमित सदस्य बन गए। अब तक वह इंग्लैंड के लिए 22 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। उन्होंने इस साल फीफा विश्व कप में भी इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, जहां थॉमस ट्यूशेल की टीम तीसरे स्थान पर रही।

हॉकी वर्ल्ड कप से पहले कप्तान हरमनप्रीत का बड़ा एलान,

51 साल का इंतजार खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 से पहले बड़ा बयान देते हुए कहा है कि टीम 51 साल से चले आ रहे वर्ल्ड कप खिताब के इंतजार को खत्म करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारत की कप्तानी करेंगे और उन्हें भरोसा है कि मौजूदा टीम इतिहास रचने का दम रखती है।

▶▶ 51 साल बाद फिर इतिहास रचने का लक्ष्य

भारत ने हॉकी वर्ल्ड कप के शुरुआती तीन संस्करणों में 1971 में कांस्य, 1973 में रजत और 1975 में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से भारतीय टीम एक भी वर्ल्ड कप पदक नहीं जीत सकी है। 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में मिली खिताबी जीत अब भी भारत का इकलौता विश्व कप खिताब है। हरमनप्रीत ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में 41 साल बाद कांस्य और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य जीतने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। अब लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतकर नया इतिहास रचना है।

● **'समर्थन बनाए रखें, हम पूरा दम लगाएंगे'** : हरमनप्रीत ने कहा, 'टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद पदक जीतने से हमें विश्वास मिला। अब वर्ल्ड कप जीते 50 साल से ज्यादा हो चुके हैं। समय आ गया है कि इस लंबे इंतजार को खत्म करें। आप हमारा समर्थन करते रहें, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।'

● **पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से मुकाबला** :भारत को वर्ल्ड कप में पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका सामना इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी।

प्रो लीग से मिला आत्मविश्वास
हरमनप्रीत ने कहा कि एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में टीम के प्रदर्शन ने काफी आत्मविश्वास दिया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने पूरे सीजन में 33 खिलाड़ियों को मौका देकर टीम की गहराई पर काम किया है। उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना, गलतियों से बचना और हर मैच में सुधार करना बेहद जरूरी होगा।

● **'डी' में बेहतर प्रदर्शन होगा जीत की कुंजी** : भारतीय कप्तान का मानना है कि वर्ल्ड कप में सफलता के लिए स्ट्राइकिंग सर्कल यानी 'डी' के अंदर आक्रामक और रक्षात्मक दोनों खेल में सुधार सबसे अहम होगा। उन्होंने कहा कि टीम का फोकस पेनल्टी कॉर्नर, सर्कल एंट्री, सेट पीस और गोल करने के हर मौके का पूरा फायद४ा उठाने पर रहेगा।

पाकिस्तान मैच पर भी बोले
हरमनप्रीत भारत पिछले 10 वर्षों से पाकिस्तान के खिलाफ नहीं हारा है। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम को भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए स्मार्ट हॉकी खेलनी होगी।

वॉर्नर ने कबूली सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात

● अगली सुनवाई में कोर्ट सुनाएगा सजा

सिडनी ,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने बुधवार को सिडनी की एक कोर्ट में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में कोर्ट 18 अगस्त को सजा सुनाएगा। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी की कमान संभाल रहे वॉर्नर कोर्ट की कार्रवाई के दौरान खुद पेश नहीं हुए। इसके बजाय, डेविड वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल सिडनी की अदालत में पेश हुए और उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में औपचारिक रूप से अपना दोष स्वीकार किया। यह मामला 5 अप्रैल, ईस्टर रविवार का है, जब वॉर्नर एक वैन चला रहे थे। वह एक जगह पर रुके, जो यादृच्छिक श्वास परीक्षण बिंदु से थोड़ी दूरी पर थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सड़क किनारे उनका श्वास टेस्ट किया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा पाई गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए थाने ले गई। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने इस साल की शुरुआत में एक सुनवाई के दौरान कहा था, 'हम में से बहुत से लोग ऐसे गलत फैसले लेते हैं। मुझे लगता है कि उन गलत फैसलों को मानना ??और उनके लिए जवाबदेह होना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक ट्रेड्समैन हैं, एक डॉक्टर हैं या दुनिया के सबसे अच्छे ओपनिंग बैट्समैन में से एक हैं, यह खतरा हम सभी के लिए मौजूद है। वह जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था। वह मानते हैं कि यह एक लापरवाही भरा फैसला था, उबर लेने के बजाय अपनी कार में बैठना एक बेवकूफी भरा फैसला था।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीट्स की सूची

नई दिल्ली,एजेंसी। 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026' का आयोजन ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में 23 जुलाई से 2 अगस्त के बीच होगा, जिसमें 125 एथलीट्स भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस टीम में पैरा-स्पोर्ट्स समेत 13 डिसिप्लिन के 77 पुरुष और 48 महिला एथलीट शामिल हैं। भारतीय दल से एथलेटिक्स में सर्वाधिक 32 एथलीट्स (10 महिला और 22 पुरुष) शामिल हैं। इनके अलावा, बॉक्सिंग और जूडो में 14-14 और वेटलिफ्टिंग में 12 खिलाड़ी हैं। आइए, उन खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे।

एथलेटिक्सःट्रैक-

- गुरिंदरवीर सिंह (पुरुषों की 100 मीटर दौड़)
- अनिमेश कुजूर (पुरुषों की 200 मीटर दौड़)
- विशाल टीके (पुरुषों की 400 मीटर दौड़, मिक्स्ड 4 × 400 मीटर रिले)
- राजेश रमेश (पुरुषों की 400 मीटर दौड़, मिक्स्ड 4 × 400 मीटर रिले)
- गुलवीर सिंह (पुरुषों की 5000 मीटर दौड़, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़)
- तेजस शिर्से (पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़)
- यशस पलक्षा (पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़)
- संतोष कुमार तमिलरासन (पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़)
- रशदीप कौर (महिलाओं की 400 मीटर दौड़, मिक्स्ड 4 × 400 मीटर रिले)
- नीरू पाठक (महिलाओं की 400 मीटर दौड़, मिक्स्ड 4 × 400 मीटर रिले)
- अंसा बाबू (महिलाओं की 400 मीटर दौड़, मिक्स्ड 4 × 400 मीटर रिले)

पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज, महिलाओं की 5000 मीटर दौड़)

- प्रियंका गोस्वामी (महिलाओं की 10,000 मीटर वॉक)
- रवीना गायकवाड़ (महिलाओं की 10,000 मीटर वॉक)

फील्ड-

- देव मीणा (पुरुषों की पोल वॉल्ट)
- कुलदीप कुमार (पुरुषों की पोल वॉल्ट)
- सर्वेश अनिल कुशारे (पुरुषों की ऊंची कूद)
- आदर्श राम जे. (पुरुषों की ऊंची कूद)
- तेजस्विन शंकर (पुरुषों की ऊंची कूद, पुरुषों की डेकाथलॉन)
- मुरली श्रीशंकर (पुरुषों की लंबी कूद)

लोकेश सत्यनाथन (पुरुषों की लंबी कूद)

प्रवीण चित्रवेल (पुरुषों की ट्रिपल जंप)

मुक्केबाजी:

- जदुमणि सिंह (पुरुष 55 किलोग्राम)
- सचिन सिवाच (पुरुष 60 किलोग्राम)
- आदित्य प्रताप सिंह (पुरुष 65 किलोग्राम)
- सुमित कुंडू (पुरुष 70 किलोग्राम)
- अंकुश अंकुश (पुरुष 80 किलोग्राम)
- कपिल पोखरिया (पुरुष 90 किलोग्राम)
- नरेंद्र बेरवाल (पुरुष 90+ किलोग्राम)
- साक्षी चौधरी (महिला 51 किलोग्राम)
- प्रीति पवार (महिला 54 किलोग्राम)
- जैस्मिन लेम्बोरिया (महिला 57 किलोग्राम)
- प्रिया घनघस (महिला 60 किलोग्राम)
- परवीन हुडा (महिला 65 किलोग्राम)

लॉन बॉलः

- पुतुल सोनोवाल (मेंस सिंगल्स)
- नयनमोनी सैकिया (विमेंस सिंगल्स)
- नवनीत सिंह (मेंस पेयर्स)
- दिनेश कुमार (मेंस पेयर्स)
- रूपा रानी तिर्की (विमेंस पेयर्स)
- पिंकी सिंह (विमेंस पेयर्स)

जूडोः

- हर्ष सिंह (पुरुष 60 किलोग्राम)
- रोहित बसीर मजगुल (पुरुष 66 किलोग्राम)

सर्वाधिक पदक जीतने वाले 5 देश, चौथे नंबर पर है भारत

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत 1930 में हुई थी। हर चार साल के बाद इस खेल का आयोजन होता है। ये निरंतरता एक बार टूटी थी, जब 1938 के बाद ये खेल 12 साल के बाद 1950 में हुए थे। 1950 से हर 4 साल के बाद ये खेल आयोजित होते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के अब तक 22 संस्करण आयोजित हो चुके हैं। 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक कॉमनवेल्थ गेम्स का 23वां संस्करण स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होना है। कॉमनवेल्थ गेम्स में 72 दल हिस्सा लेते हैं। इसमें 56 दल अलग-अलग राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि 16 दल आश्रित क्षेत्र, अलग-अलग ब्रिटिश होम नेशंस (इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड) का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स ने हर संस्करण में भाग लिया है। ओलंपिक के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स एथलेटिक्स का दूसरा सबसे बड़ा वैश्विक मंच है। कॉमनवेल्थ की सफलता किसी भी राष्ट्र की खेल की ताकत को प्रदर्शित करता है। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पांच सबसे सफल देशों की बात करें तो पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड, तीसरे स्थान पर कनाडा, चौथे स्थान पर भारत और पांचवें स्थान पर न्यूजीलैंड है।

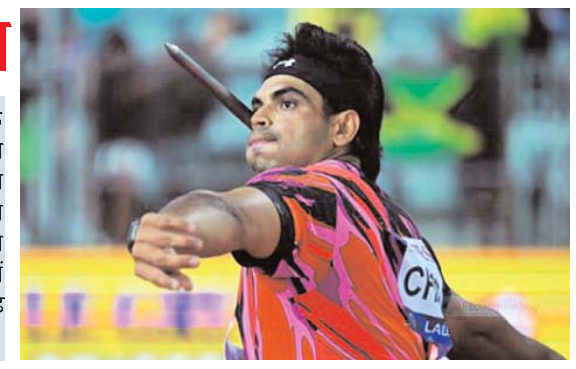

सीएम हेल्पलाइन में सुधार लाएं, सभी विभाग 'ए' ग्रेड में आने का करें प्रयास, कलेक्टर मुखर्जी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण और विभागों की कार्यप्रणाली में सुधार को लेकर कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपनी ग्रेडिंग में सुधार लाते हुए 'ए' श्रेणी में आने का प्रयास करें साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक पुरानी एक भी शिकायत लंबित न रहे और किसी भी स्तर पर शिकायत नॉट-अटेंड की स्थिति में नहीं रहनी चाहिए बुधवार को आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, फार्मर रजिस्ट्री, मुख्य सचिव की बैठक के समीक्षा बिंदुओं, संबल योजना सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की बैठक में अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम एसपी मिश्रा, आरती सिंह, दिव्या पटेल, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों पर होगी कार्रवाई: सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में सी और डी श्रेणी में रहने वाले विभागों के अधिकारियों की एक दिन की वेतन कटौती की गई है यदि भविष्य में भी प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध एक सप्ताह की वेतन कटौती जैसी कार्रवाई की जाएगीउन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

मैहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने अभियान चलाने के निर्देश: बैठक में कलेक्टर ने मैहर जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में जिंगल, प्रतियोगिताओं और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों और आम नागरिकों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक है और इसके लिए सभी विभागों को मिलकर प्रयास करना होगा।

विद्यार्थियों के लिए नीट और जेईई कोचिंग की होगी शुरुआत: कलेक्टर ने शिक्षा क्षेत्र में नवाचार की जानकारी देते हुए बताया कि मैहर जिले में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों के लिए नीट और जेईई परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग प्रारंभ करने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए अच्छे शिक्षकों का समूह तैयार किया जाएगा, जिन्हें एलेन संस्था के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर मिलेगा।

राजस्व न्यायालय निर्धारित मुख्यालय पर ही संचालित होंगे: कलेक्टर ने सभी राजस्व न्यायालयों को उनके निर्धारित मुख्यालय पर ही संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्य वृत्तों के राजस्व न्यायालय यदि अलग स्थानों पर संचालित होते हैं तो आम जनता को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी होती है।उन्होंने तहसील कार्यालय मैहर के रिक्त कक्षों को जिला कोषालय मैहर के लिए आवंटित करने के निर्देश भी दिए।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने के निर्देश: फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन तहसीलों

मैहर में राजस्व अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को सौंपे गए नए दायित्व

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन और न्यायिक एवं कार्यपालिक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर बिदिशा मुखर्जी ने जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन के आदेश जारी किए हैं आदेश के तहत तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को विभिन्न तहसीलों एवं वृत्तों की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैंकलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार तहसीलदार अनामिका सिंह को तहसील रामनगर, तहसीलदार प्रवीण कुमार त्रिपाठी को तहसील अमरपाटन तथा तहसीलदार अमृता गर्ग को भू-संसाधन प्रबंधन जिला मैहर का दायित्व सौंपा गया है वहीं प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र पटेल को तहसील मैहर का उत्तरदायित्व दिया गया है। नायब तहसीलदारों में रामदेव साकेत को वृत्त नादन तहसील मैहर, दिनेश तिवारी को नायब तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन मैहर, शिवभूषण सिंह को नजूल तहसील मैहर, साधना सिंह को वृत्त बदेरा और लालमणी सतनामी को वृत्त अमदरा का प्रभार सौंपा गया हैन्यायालयीन कार्यों के लिए भी अलग से व्यवस्था की गई है इसके तहत रामप्रकाश पांडेय को वृत्त ताला तहसील अमरपाटन, इंद्रजीत सिंह को वृत्त झिन्ना तहसील रामनगर और संजीव पांडेय को वृत्त बड़वार तहसील रामनगर में न्यायालयीन कार्यों का दायित्व सौंपा गया है इसके अलावा कार्यपालिक दंडाधिकारी के रूप में नायब तहसीलदार जयहिंद सिंह धुर्वे, शिवप्रसाद कोरी और अनिल सिंह को तहसील मैहर में जिम्मेदारी दी गई हैइसी क्रम में ललित धार्वे को वृत्त झिन्ना रामनगर तथा रोशनलाल रावत को वृत्त बड़वार रामनगर में कार्यपालिक दंडाधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रशासन का कहना है कि कार्य विभाजन से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी आएगी और आम नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

खेत में अवैध कब्जे का विरोध करने पर हमला, एक घायल नागपुर रेफर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र में खेत पर अवैध कब्जे का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया आरोप है कि जमीन पर जबरन जुताई करने से रोकने पर दो लोगों पर लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए नागपुर रेफर किया गया हैजानकारी के अनुसार बाबूपुर निवासी गंगा प्रसाद गुप्ता और अनुराग गुप्ता के खेत में कुछ लोग कथित रूप से ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी इस दौरान गंगा प्रसाद गुप्ता के सिर में गंभीर चोट आई जबकि अनुराग गुप्ता भी घायल हुएघटना के बाद पीड़ित पक्ष ने रामपुर बघेलान थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आरोप है कि अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं जिससे परिवार में भय का माहौल है पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि जन्मेश यादव, उसकी मां और मामा द्वारा खेत पर जबरन कब्जे का प्रयास किया गया था। विरोध करने पर यह हमला किया गया परिवार ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एकेएस विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक शिक्षा की दिशा में बढ़ाया कदम, उद्योगों से जुड़े पाठ्यक्रमों से खुलेंगे करियर के नए अवसर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। तेजी से बदलते औद्योगिक और तकनीकी परिवेश में युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से नैक मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय, सतना ने उद्योगों के सहयोग से कई अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिग्री के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल, आधुनिक तकनीक की जानकारी और उद्योगों का वास्तविक अनुभव उपलब्ध कराना है विश्वविद्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप तैयार किए गए इन पाठ्यक्रमों में कक्षागत शिक्षा के साथ उद्योग आधारित प्रशिक्षण को शामिल किया गया है इससे विद्यार्थी अध्ययन के दौरान ही कार्यस्थल की आवश्यकताओं,

तकनीकी दक्षताओं और व्यावसायिक संस्कृति से परिचित हो सकेंगे विश्वविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि वर्तमान समय में उद्योग ऐसे युवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनके पास केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं बल्कि व्यावहारिक अनुभव और समस्या समाधान की क्षमता भी हो इसी को ध्यान में रखते हुए एकेएस विश्वविद्यालय ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के सहयोग से रोजगार केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं इनमें यूनिवर्सल केबल्स लिमिटेड के सहयोग से बीटेक, एमटेक एवं सर्टिफिकेट इन केबल एंड वायर टेक्नोलॉजी, इंडो जर्मन टूल रूम के सहयोग से बीटेक इन टूल इंजीनियरिंग, थिंक साइबर प्रो के सहयोग से बीटेक एवं बीसीए इन साइबर सिक्योरिटी जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैंइसके अलावा बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (बीओएटी), वेस्टर्न रीजन मुंबई के सहयोग से बीएससी इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट, बीएससी इन इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स, बीकॉम इन बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस (बीएफएसआई), बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन रियल एस्टेट एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा और बीटेक इन डेयरी टेक्नोलॉजी जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं इन पाठ्यक्रमों की सबसे बड़ी विशेषता अप्रेंटिसशिप आधारित शिक्षण व्यवस्था है इसके तहत विद्यार्थी पढ़ाई के साथ उद्योगों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे इससे उन्हें आधुनिक उपकरणों के उपयोग, तकनीकी कार्यप्रणाली, टीमवर्क, समय प्रबंधन और व्यावसायिक अनुशासन का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा विश्वविद्यालय के अनुसार इन पाठ्यक्रमों को एनसीवीईटी, यूजीसी, सीआरआईएसपी और मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है।

सड़क किनारे मृत मवेशी और कचरा फेंकने से वार्ड-16 के रहवासी परेशान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-16 कृपालपुर अंतर्गत मटेहना रोड स्थित खत्री पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे कचरा डंप किए जाने और मृत मवेशियों को खुले में फेंके जाने का मामला सामने आया है स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम के संरक्षण में रेमकी कंपनी द्वारा अव्यवस्थित तरीके से कचरा डाला जा रहा है जिससे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है रहवासियों का कहना है कि सड़क किनारे लगातार कचरा जमा होने से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है मृत मवेशियों को भी इसी स्थान पर फेंके जाने से आसपास के क्षेत्र में बदबू फैल रही है जिससे लोगों का रहना मुश्किल हो गया है स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी, आयुक्त और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इस समस्या को लेकर उदासीन बने हुए हैंस्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले वर्ष भी इसी तरह अवैध रूप से कचरा फेंके जाने के विरोध में आवाज उठाई गई थी उस समय नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया था कि कचरे के निस्तारण की उचित व्यवस्था कराई जाएगी और सड़क किनारे कचरा नहीं डाला जाएगा लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है रहवासियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा मनमानी की जा रही है और नियमों की अनदेखी कर कचरे का निपटान किया जा रहा है। उनका कहना है कि सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को लेकर नगर निगम द्वारा किए जा रहे दावों की हकीकत इस स्थान पर देखी जा सकती है।

पिता की 10वीं पुण्यतिथि पर बेटे ने किया रक्तदान, जरूरतमंद मरीज को जीवन बचाने का प्रयास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मानव सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का उदाहरण पेश करते हुए युवा समाजसेवी एवं सिंधु विकास समिति से जुड़े सर्वत लालवानी ने अपने पिता स्वर्गीय आवतराम लालवानी की 10वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान किया उन्होंने जिला अस्पताल में भर्ती एक जरूरतमंद मरीज के लिए रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दियारक्तदान के अवसर पर सर्वत लालवानी ने कहा कि 'रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाने में सहयोग करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।' उन्होंने बताया कि अपने पिता की पुण्यतिथि को समाजसेवा के कार्य से जोड़कर मनाने का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हैउन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है और समय पर मिला रक्त किसी के जीवन की रक्षा कर सकता है इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर युवा समाजसेवी एवं सिंधु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी, वरुण चांदवानी और मनीष सदानी सहित अन्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे उपस्थित लोगों ने सर्वत लालवानी के इस सेवा कार्य की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बतायासंस्था के मीडिया प्रभारी अमित कामरानी ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंधु विकास समिति लगातार सर्व समाज के लोगों के लिए रक्त सेवा का कार्य कर रही है समिति द्वारा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने बताया कि समिति अब तक 7181 यूनिट रक्तदान करवाने का महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य केवल रक्त उपलब्ध कराना नहीं बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य से जुड़ सकें।

चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने संभागायुक्त से की मुलाकात, सतना की समस्याओं और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने संभागीय आयुक्त शैलेंद्र सिंह से मुलाकात कर शहर की स्थिति और व्यापारियों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम प्रशासन के रवैये पर नाराजगी जताते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संभागीय आयुक्त से सहयोग की मांग की चेंबर महामंत्री मनोज कटारे ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने संभागीय आयुक्त को शहर में व्याप्त अव्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं की कमी और व्यापारियों को हो रही परेशानियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी इस दौरान नगर निगम प्रशासन के असंवेदनशील रवैये को लेकर भी चर्चा की गई चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने संभागीय आयुक्त को बताया कि चेंबर पिछले तीन वर्षों से नगर निगम प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर शहर की समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहा है लेकिन लगातार अनदेखी के कारण समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं उन्होंने बताया कि शहर की समस्याओं को लेकर चेंबर एवं 51 व्यापारी और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े सैकड़ों व्यापारियों ने 14 जुलाई को नगर निगम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था ज्ञापन लेते समय एडीएम सतना और महापौर सतना ने व्यापारियों की मांगों को जायज बताते हुए आश्वासन दिया था कि तीन दिन के भीतर नगर निगम के अधिकारी चेंबर प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे और समस्याओं के समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगीचेंबर पदाधिकारियों का कहना है कि सात दिन बीत जाने के बाद भी नगर निगम की ओर से कोई पहल नहीं की गई इसके विपरीत नगर निगम आयुक्त द्वारा चेंबर के दो सदस्यों पर कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक सतना को पत्र लिखे जाने से व्यापारियों में नाराजगी है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि महापौर सतना द्वारा कलेक्टर को बैठक बुलाने के लिए पत्र लिखना नगर निगम प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की कमी को दर्शाता है चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि नगर निगम प्रशासन अक्सर मामलों को कागजी प्रक्रिया में उलझाकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करता है जबकि शहर का विकास जरूरी है।उन्होंने संभागीय आयुक्त से सतना आकर व्यापारियों और नागरिकों की समस्याओं को समझने का आग्रह किया।

स्मार्ट सिटी की सड़क पर विरोध: सीवर गड्ढे में लगाया महापौर का फोटो

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़क रिस्टोरेशन की गुणवत्ता को लेकर विरोध तेज हो गया है शहर के व्यस्त हनुमान चौक में सड़क धंसने से बने बड़े गड्ढे के विरोध में स्थानीय लोगों ने अनोखा प्रदर्शन किया लोगों ने गड्ढे के पास महापौर योगेश ताम्रकार की तस्वीर लगाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहली बारिश में ही सड़क खराब हो गई जिससे पानी भरने के कारण कई बाइक सवार गिरकर घायल हो चुके हैं लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच और जल्द सुधार की मांग की है प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सर्पदंश के बाद 12 दिन जिंदगी से जंग, स्वस्थ होकर घर लौटे बच्चों की अस्पताल में भावुक विदाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सरदार वल्लभभाई पटेल जिला चिकित्सालय में सोमवार को एक भावुक और खुशी भरा माहौल देखने को मिला। सर्पदंश के बाद 12 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ने वाले दो मासूम बच्चे पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे तो डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ ने तालियों के बीच केक काटकर उनकी विदाई की। रैगांव विधानसभा क्षेत्र के करसरा गांव निवासी 11 वर्षीय आंचल और उसके 8 वर्षीय चचेरे भाई अनुराग को घर में सोते समय जहरीले सांप ने डस लिया था हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां दोनों को भर्ती कर उपचार शुरू किया गया बच्चों की स्थिति बेहद नाजुक होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संदीप द्विवेदी के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने लगातार निगरानी करते हुए इलाज किया।

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना जागरूक नागरिक की पहचान- मुख्यमंत्री

विधानसभा भ्रमण पर पहुंचे आगर-मालवा और जबलपुर के मेधावी विद्यार्थियों से किया संवाद, लोकतांत्रिक प्रक्रिया की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्यार्थी देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। लोकतंत्र को समझना, उसके मूल्यों को आत्मसात करना और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाना ही एक जागरूक नागरिक की पहचान है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है विधानसभा जैसी संस्थाएं विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देती हैं कि सरकार किस प्रकार कार्य करती है कानून कैसे बनाए जाते हैं और संसदीय परंपराओं का संचालन किस प्रकार होता हैमुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित

समिति कक्ष क्रमांक-1 में विधानसभा भ्रमण पर आए स्कूली विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे इस अवसर पर आगर-मालवा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 50 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों तथा स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल, जबलपुर के 40 विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से सौजन्य भेंट कीमुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके विधानसभा भ्रमण के अनुभवों के बारे में जानकारी ली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बताया कि उन्हें पहली बार विधानसभा सत्र की कार्यवाही को नजदीक से देखने और संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही देखना उनके लिए बेहद रोचक, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी अनुभव रहाडॉ. यादव ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मक सोच और नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी में देश को नई दिशा देने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को समाज, शासन व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी भी होनी चाहिए। इससे वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका बेहतर ढंग से निभा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार युवाओं को विकास प्रक्रिया से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, वैज्ञानिक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने कहा कि विधानसभा भ्रमण जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को लोकतंत्र की वास्तविक प्रक्रिया से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को अपने हाथों से तैयार किए गए विभिन्न मॉडल और आकर्षक सीनरी भी भेंट कीं मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए इन मॉडलों की सराहना करते हुए उनकी कल्पनाशक्ति और मेहनत की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि आगर-मालवा जिले के आगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक माधव सिंह (मधु गहलोत) तथा जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहाणी के मार्गदर्शन में विद्यार्थी विधानसभा भ्रमण के लिए भोपाल पहुंचे थे इस दौरान विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, सदन की गतिविधियों और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने कहा कि विधानसभा भ्रमण से उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि जनप्रतिनिधि किस प्रकार जनता के मुद्दों को सदन में उठाते हैं और शासन व्यवस्था किस प्रकार संचालित होती है उन्होंने इस अवसर को अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।